mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-191 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
11 जुलाई 2024 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

# दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

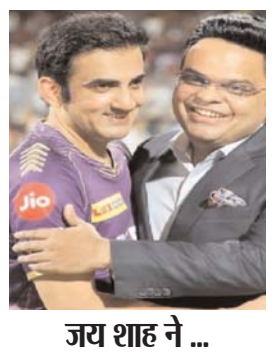

जय शाह ने ...

@ पेज 7

## बिहार सीएम को क्या हो गया?

● ठेकेदार का पैर छूने को बेताब दिखे नीतिश कुमार ● सीनियर अधिकारी जोड़ते रहे हाथ

**पटना (एजेंसी)।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार एक बार फिर चर्चा में हैं। पटना में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में उन्होंने एक ठेकेदार के पैर छूने की कोशिश की। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पथ निर्माण विभाग के एक कार्यक्रम में गंगा पथ के एक हिस्से का उद्घाटन कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने राघोपुर पुल के निर्माण कार्य में देरी की बात सुनकर नाराजगी जताई। इसके बाद उन्होंने जो किया, उसे देख सभी

लोग भौचक्का रह गए। दरअसल, पटना में आयोजित गंगा पथ के गायघाट से कंगन घाट तक के हिस्से के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने अधिकारियों से राघोपुर पुल के निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में पूछताछ की।

### ● कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं...

मुख्यमंत्री के इस तरह से सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताने के बाद अधिकारी सकते में आ गए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर कंपनी के प्रतिनिधि से कहा कि कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं। मुख्यमंत्री के पैर छूने की बात सुनकर ठेकेदार कंपनी का प्रतिनिधि पीछे हट गया और कहा कि नहीं... नहीं सर, ऐसा मत करिए। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है कि जब नीतिश कुमार ने किसी अधिकारी या ठेकेदार के पैर छूने की कोशिश की हो।

## आतंक के आका पाकिस्तान को भारी पड़ेगा कठुआ में किया गया दुस्साहस!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कठुआ आतंकी हमले में जूनियर कमिशंड ऑफीसर समेत 5 जांबाजों की मौत के बाद केंद्र सरकार तगड़े जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रही है। इस बीच, आर्मी की एलीट पैरा यूनिट को आतंकवादियों पर सर्जिकल स्ट्राइक के लिए उनकी गतिविधियों वाले इलाकों में तैनात किया गया है। केंद्र सरकार ने 5 जांबाजों के बलिदान को काफी गंभीरता से लिया है। वह हर हाल में जांबाजों की मौत का बदला लेगी, बस ये विचार किया जा रहा कि कार्रवाई किस तरह की होगी। जम्मू क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों में आतंकी हमलों की वारदात बढ़ गई हैं। 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी।

## संक्षिप्त समाचार

### पातालगंगा लंगसी टनल पर गिरा पहाड़

● जोशीमठ-बद्रीनाथ हाईवे बंद,भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण जगह-जगह लैंडस्लाइड और बाढ़ से हालात खराब हैं। बुधवार को राज्य के चमोली जिले में पातालगंगा लंगसी टनल पर पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। इसका दिल दहलाने वाला वीडियो भी सामने आया है। टनल के पास सड़क पर मलबा गिरने से जोशीमठ बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के चलते राज्य में तीन लोगों की मौत हुई है। हल्द्वानी, बनबसा, टनकपुर, सितारगंज और खटीमा में हालत सबसे ज्यादा खराब है।

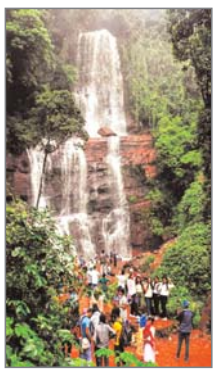

### राज्य सरकार की अनुमति के बिना सीबीआई नहीं कर सकती जांच

● सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को मिली बड़ी राहत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार के केस को सुनवाई के योग्य माना है और इसी के साथ

केंद्र की दलील को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हम कानून के अनुसार उसके गुण-दोष के आधार पर आगे की कार्यवाही करेंगे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच ने यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के उस वाद को सुनवाई योग्य माना जिसमें सामान्य सहमति वापस लिए जाने के बावजूद सीबीआई जांच कर रही है।

### भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रन से दी पटखनी

● 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त

● शुभमन गिल की फिफ्टी, सुंदर को 3 विकेट

हरारे (एजेंसी)। भारत ने टी-20 सीरीज के तीसरे मैच में जिम्बाब्वे को 23 रन से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला 13 जुलाई को खेला जाएगा। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में बुधवार को टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया और 20 ओवर में 4 विकेट पर 182 रन बनाए। 183 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे 20 ओवर में 6 विकेट पर 159 रन ही बना सकी। टीम ने 39 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से डायन मायर्स ने 49 बॉल पर नाबाद 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने क्लाइव मदांदे के साथ छठे विकेट के लिए 77 रनों की साझेदारी करके उम्मीदें जगाई, लेकिन अपनी टीम को जिता नहीं सके। भारतीय टीम की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट लिए।

## मुस्लिम महिलाएं भी मांग सकेंगी पति से गुजारा भत्ता

सुप्रीम कोर्ट ने तलाकशुदा महिला के पक्ष में सुनाया अहम फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने तलाकशुदा महिलाओं को लेकर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का कानूनी अधिकार है। वह इस संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये धारा सभी महिलाओं पर लागू होती है। चाहे वह किसी भी धर्म की हो। इस मामले को लेकर जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला को अलग-अलग सुनाया लेकिन दोनों की राय एक ही थी। कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि देश में सेकुलर कानून ही चलेगा। दोनों जजों ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला गुजारा भत्ता के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि मुस्लिम महिलाओं को कई मामलों में गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता है। अगर मिलता भी है तो वह इद्दत की अवधि तक ही मिलता है। अगर किसी महिला को उसका पति तलाक दे देता है या उसकी मौत हो जाती है तो महिला 'इद्दत' की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। यह समयसीमा 3 महीने की होती है।

तेलंगाना के रहने वाले अब्दुल समद ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। उसने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। अर्जी में कहा गया कि मुस्लिम महिलाओं को मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा। धारा 125 के तहत कोई भी महिला दावा कर सकती है।

## 'वंदे मातरम' से गूंज उठा यूरोप, मोदी का संगीतमय स्वागत

ऑस्ट्रिया में पीएम मोदी ने यूएन में रिफॉर्म का मुद्दा उठाया

चांसलर कार्ल नेहमर बोले-यूक्रेन मुद्दे का शांतिपूर्ण हल हो

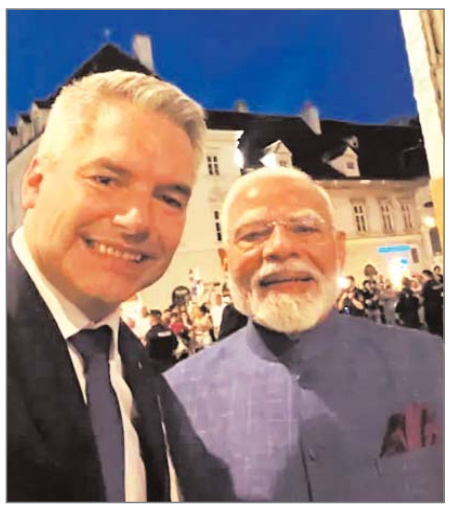

**वियना (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री मोदी अपने 2 दिवसीय दौरे पर ऑस्ट्रिया में हैं। रात में गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत के बाद मोदी सुबह ऑस्ट्रिया के पीएम आवास पहुंचे। यहां उनका सेरेमोनियल वेलकम हुआ। मोदी ने विजिटर्स बुक में दस्तखत किए। इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर उनके साथ रहे। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जिसकी आवाज पूरी दुनिया में सुनी जाती है। भारत का भरोसेमंद पार्टनर होने के साथ ऑस्ट्रिया भी यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण हल चाहता है। वहीं, मोदी ने इस कहा कि यूक्रेन संकट का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। उन्होंने आतंकवाद की भी कड़ी निंदा की। पीएम मोदी ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा- मुझे खुशी है कि तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। मेरी ये यात्रा ऐतिहासिक और विशेष दोनों है। 41 साल के बाद किसी भारतीय पीएम ने यहां का दौरा किया। ये सुखद संयोग है कि यात्रा उस समय हो रही है जब हमारे आपसी संबंधों को 75 साल पूरे हुए। इससे पहले ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कार्ल नेहमर ने कहा कि भारत ब्रिक्स का फाउंडिंग मेंबर है। ग्लोबल साऊथ का प्रमुख सदस्य है। इससे पहले जब प्रधानमंत्री मोदी एयरपोर्ट से होटल रिट्ज-कार्लटन पहुंचे तो वहां उन्होंने भारतवंशियों से मुलाकात की। यहां उनके स्वागत में वंदे मातरम की धुन बजाई गई। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी स्टेट डिनर के लिए ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर से मिलने पहुंचे। नेहमर ने मोदी के साथ सेल्फी ली। पीएम बोले- हमने आपसी सहयोग और मजूबत करने का खाका तैयार किया है। ये केवल आर्थिक और निवेश तक सीमित नहीं है। पीएम मोदी ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा- मुझे खुशी है कि मेरी तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। मेरी ये यात्रा ऐतिहासिक है।

## आईआईटी जोधपुर अब हिंदी में कराएगा इंजीनियरिंग की पढ़ाई!

● बीटेक में इसी साल से लागू,11 भाषाओं में आएंगी किताबें ● मंत्रालय ने कहा,मौजूदा सेशन से ही होगी पहल की शुरुआत

**जोधपुर (एजेंसी)।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में भी शुरू होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, आईआईटी जोधपुर मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों में बीटेक फर्स्ट ईयर के कोर्सेज शुरू करेगा। मंत्रालय का कहना है कि यह नई पहल की गई है ताकि सभी छात्र उस भाषा में प्रभावी ढंग से सीख सकें, जिसमें वे सबसे अधिक सहज हैं। जो टीचर्स इंग्लिश के सेक्शन को पढ़ाएंगे, वहीं हिंदी के छात्रों को भी पढ़ाएंगे। इससे निरंतरता और गुणवत्ता बनी रहेगी। आईआईटी जोधपुर में अधिक समावेशी और सहायक शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के तहत छात्रों को स्थानीय भाषा में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई का विकल्प दिए जाने के प्रयास शुरू किए गए हैं। हालांकि अभी ज्यादातर छात्र इंग्लिश मीडियम से ही इन कोर्सेज की पढ़ाई कर रहे हैं।

## भारत -अमेरिका ने मिलकर बढ़ाया चीन का सिरदर्द

● ड्रैगन के साथ एक दशक में पहली बार हो गया ऐसा खेला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक कई साल से चीन के सबसे बड़ी संस्थागत निवेशकों में से एक है। लेकिन अब उसने चीन में अपना निवेश कम करना शुरू कर दिया है। करीब एक दशक में पहली बार कंपनी के पोर्टफोलियो में अमेरिका चीन से आगे निकल गया है। टेमासेक अमेरिका के साथ-साथ भारत पर भी बड़ा दांव खेल रही है। कंपनी का कहना है कि चीन के कैपिटल मार्केट्स में सुस्ती से देश में उसकी एसेट्स की वैल्यू में गिरावट आई है लेकिन दूसरे बाजारों से उसे अच्छा रिटर्न मिल रहा है। इससे कंपनी के पोर्टफोलियो की नेट वैल्यू 389 अरब डॉलर पहुंच गई है जो पिछले फाइनेंशियल ईयर में 382 अरब डॉलर थी। टेमासेक लंबे समय से चीन के सबसे बड़े संस्थागत निवेशकों में शामिल रहा है। 2020 में कंपनी के पोर्टफोलियो में चीन की हिस्सेदारी 29 फीसदी थी लेकिन चार साल बाद यह घटकर 19 फीसदी रह गई है। मार्च में कंपनी के पोर्टफोलियो में अमेरिका की हिस्सेदारी 22 फीसदी हो गई है। सिंगापुर 27 फीसदी के साथ टेमासेक के पोर्टफोलियो में सबसे ऊपर है। कंपनी भारत में इनवेस्टमेंट तेजी से बढ़ा रही है।

## यूपी के उन्नाव में भीषण सड़क हादसा, 18 की मौत

**उन्नाव (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बुधवार सुबह 5.15 बजे डबल डेकर बस और टैंकर की टक्कर हो गई। हादसे में बस सवार 18 यात्रियों की मौत हो गई। 19 घायल हैं। मृतकों में 14 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। बस बिहार

### ● बिहार से दिल्ली जा रही यात्री बस दूध के टैंकर से टकराई

के सीवान से दिल्ली जा रही थी। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बांगरमऊ कोतवाली के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस की ड्राइवर साइड की बॉडी पूरी तरह अलग हो गई। यात्री बाहर गिर गए। उनकी वहीं मौत हो गई। हादसे के वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि सड़क पर लाशें बिखरी पड़ी हैं। लाशों को देखकर एक पुलिसकर्मी बेहोश हो गया। पुलिस ने बताया कि दूध के टैंकर को ओवरटेक करने के दौरान बस बेकाबू होकर टैंकर को टक्कर मारते हुई पलट गई। डीएम गौरांग राठी ने बताया बस में 57 यात्री सवार थे। करीब 20 यात्री सुरक्षित हैं। 18 मृतकों में अभी 16 की शिनाख्त नहीं हुई हैं।

### ● सड़क पर बिखरी लाशें देखकर पुलिसकर्मी हो गया बेहोश

## कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

● पत्नी और साले के खिलाफ पुलिस में धांधली की शिकायत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस और सरकार में डीके शिवकुमार के साथ वर्चस्व की लड़ाई का सामना कर रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें उस समय और बढ़ गई, जब उनकी पत्नी पार्वती, उनके साले मल्लिकार्जुन और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले के सिलसिले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने यह शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मैसूर जिला कलेक्टर और अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और कंपनी के अधिकारी भूमि आवंटन घोटाले में शामिल हैं। कृष्णा ने कर्नाटक के राज्यपाल, मुख्य सचिव और राजस्व विभाग के प्रधान सचिव को भी पत्र लिखकर विवाद की जांच की मांग की है।

## कोई भी नेता हो कितना भी अमीर हो, कोई नहीं बचेगा

हिट एंड रन केस में महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे की दोटूक

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के वर्ली इलाके में हुए बीएमडब्ल्यू एक्सीडेंट के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ऐक्शन मोड में हैं। उन्होंने हिट एंड रन केस में कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। सोमवार को उन्होंने कहा कि उनके सीएम रहते किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। इससे पहले भी वह कह चुके हैं को दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। रविवार हुए सड़क हादसे में स्कूटर सवार एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई थी। कथित तौर पर लग्जरी कार शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा मिहिर चला रहा था। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से बयान जारी किया गया था। इसमें कहा गया था, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के हिट एंड रन मामलों में किसी को भी छोड़े बगैर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने चेतावनी भी दी है कि अगर कोई अमीर राजनेता अपने पद का गलत इस्तेमाल कर सिस्टम को झुकाना चाहते हैं, तो बर्दाश्त नहीं होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### हर व्यक्ति पौधा लगाए और पेड़ बनने तक करें देखभाल-महिला बाल विकास मंत्री भूरिया

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने भोपाल के जवाहर बाल भवन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अशोक का पौधा लगाया। इस अवसर पर आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने भी अमरूद का पौधा लगाया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में पौध-रोपण किया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हर व्यक्ति एक पौधा लगाए और उस पौधे की देखभाल तब तक करें जब तक वह पेड़ नहीं बन जाता। सुश्री भूरिया ने कहा कि इस क्रम में प्रदेश के सभी ऑगनवाड़ियों केन्द्रों में भी पौध-रोपण किया जायेगा। उन्होंने बाल भवन में बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रों, संगीत कक्ष, लाइब्रेरी आदि का भ्रमण कर जानकारी ली। इस अवसर पर जवाहर बाल भवन की संचालक श्रीमती शुभा वर्मा सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहें।

### सीहोर में 11 जुलाई को आयोजित होगी विद्युत शिकायतों की जनसुनवाई

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए वृत्त कार्यालय सीहोर में 11 जुलाई को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम जनसुनवाई करेगा। गौरतलब है कि विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम द्वारा इस जनसुनवाई में सीहोर वृत्त अंतर्गत आने वाले विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126, 135 तथा 138 को छोड़कर शेष शिकायतें जैसे विद्युत बिल से संबंधित, मीटर से संबंधित, नवीन कनेक्शन में विलंब, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान, वोल्टेज से संबंधित, लोड शेडिंग/अधिसूचित विद्युत कटौती, सुरक्षा निधि पर ब्याज अदायगी इत्यादि शिकायतों की सुनवाई की जाएगी तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण भी किया जाएगा। कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि दशहरा वाला बाग, मंत्री पेट्रोल पम्प के पास, इंदौर नाका स्थित वृत्त कार्यालय सीहोर में 11 जुलाई को प्रातः 11 से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई के माध्यम से बिजली उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी शिकायतों का निराकरण कराने के लिए वृत्त कार्यालय सीहोर में प्रातः 11 बजे के पूर्व अपना रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करें।

### नेत्र संक्रमण से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** वर्तमान में आम नागरिकों में नेत्र संक्रमण तेजी से फैल रहा है। नेत्र संक्रमण की रोकथाम करना अति आवश्यक है। नेत्र संक्रमण की रोकथाम के लिए आम नागरिकों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सुझाव दिये हैं। नेत्र संक्रमण की रोकथाम के लिए पूरी सावधानी रखना आवश्यक है। नेत्र संक्रमण से बचने के लिये अपनी आंखों को छूने से पहले हाथ आवश्यक रूप से धोये। संक्रमित व्यक्ति अपना टॉवल, तकिया, आई ड्रॉप आदि उपयोग की गई वस्तुएं घर के अन्य सदस्यों से अलग रखें। स्विमिंग पूल तालाबों के प्रयोग से बचे। कांटेक्स लेंस पहना बंद करें और अपने नेत्र चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही फिर इसे शुरू करें। आँखों के सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग न करें। साफ हाथों से अपनी आंखों के आस-पास किसी भी तरह के स्त्राव को दिन में कई बार साफ गीले कपड़े से धोयें, उपयोग किये गये कपड़े को गर्म पानी से धोलें। यदि आँखों में लालिमा हो तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से परामर्श लें। डाक्टर के सलाह के बिना कोई भी ड्रॉप का उपयोग न करें। इस तरह आम नागरिक उक्त सभी सावधानियाँ बरतने से नेत्र संक्रमण बचा जा सकता है।

### प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 70 स्वास्थ्य संस्थाओं में हुई गर्भवती महिलाओं की जांच

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों का आयोजन मंगलवार को जिले की 70 स्वास्थ्य संस्थाओं में किया गया। शिविर में 853 गर्भवती महिलाओं की जांच हुई। जांच के लिए महिलाओं को शिविर में लाने एवं घर छोड़ने की सुविधा 108 एंबुलेंस के माध्यम से निशुल्क दी गई। ये शिविर प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को आयोजित किए जाते हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि शिविरों में निजी क्षेत्र के चिकित्सक भी सेवाएं दे रहे हैं। सिविल अस्पताल बैरसिया, सिविल अस्पताल बैरागढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर में निजी क्षेत्र के सोनोलॉजिस्ट द्वारा जांच की जा रही है। शिविरों के तहत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गांधी मेडिकल कॉलेज, जयप्रकाश जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल डॉ. कैलाशनाथ काटजू में गर्भवती महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जा रहा है।

# राज्यमंत्री बागरी ने एमपी हाउसिंग बोर्ड की समीक्षा बैठक ली, कमिश्नर ने दी सभी योजनाओं की जानकारी

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने आज एमपी हाउसिंग बोर्ड की समीक्षा बैठक ली। भोपाल स्थित मुख्यालय पर्यावास भवन में आयोजित बैठक में मंत्री महोदया ने विभाग की पूरी कार्यप्रणाली के साथ सभी योजनाओं की जानकारी ली। हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर श्री चंद्रमौलि शुक्ला ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से मंत्री जी को विभाग और सभी प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर ने मण्डल की अधोसंरचना, मण्डल की रिक्त/अविक्रित संपत्तियों की जानकारी, मण्डल की अतिक्रमण की गई संपत्तियों की जानकारी, मण्डल द्वारा अधिग्रहण की गई संपत्तियों की जानकारी, मण्डल द्वारा निर्मित आवासीय भवनो/व्यवसायिक सम्पत्तियों, लीज रेन्ट की जानकारी, वृत्त रीवा अंतर्गत वर्तमान में चल रहे मण्डल के विकास कार्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में हाउसिंग बोर्ड की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुश्री तृप्ति श्रीवास्तव, मुख्य संपदा अधिकारी श्री डी.एस. तोमर, एडिशनल हाउसिंग कमिश्नर श्री शैलेंद्र वर्मा, श्री सुमन सिंह व एन. डी. अहिरवार सहित मंडल के प्रमुख अधिकारीगण शामिल हुए।

## समर्थन मूल्य पर किसानों को बोनस भुगतान के लिये 1000 करोड़ रूपये का बजट - खाद्य मंत्री राजपूत

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस के भुगतान के लिए एक हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा है कि विभाग को गत वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक बजट मिला है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गए बजट में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। इससे विभागीय योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 89 लाख हितग्राहियों को निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे हितग्राही जो प्रधानमंत्री उज्?वला योजना के लाभ से वंचित रह गये हैं, उन्हें राज्य सरकार की गैर उज्?वला योजना में शामिल किया गया है। इन दोनों योजनाओं के लिए 520 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि पैक्स एवं लैम्प्स समिति के विक्रेताओं के मानदेय में 3 हजार रूपये की वृद्धि की जा रही है। इससे 13 हजार से अधिक विक्रेताओं को लाभ मिलेगा। इसके लिये बजट में 71 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में नवीन योजना के रूप में स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। योजना मेंसार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये सर्वर को अत्याधुनिक सुविधायुक्त बनाया जायेगा। इसके लिये 10 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। छात्रावासों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए बजट में 13 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्हें गेहूँ पर 4 रूपये किलो तथा चावल पर साढ़े पाँच रूपये प्रति किलो सब्सिडी दी जाऐगी।

## उमंग कार्यक्रम से जोड़ा गया 21 लाख छात्र-छात्राओं को

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** स्कूल शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संयुक्त रूप से मिलकर उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम समस्त हाई एवं हाई सेकेन्डरी स्कूलों में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं में जीवन कौशल को विकसित करना ताकि वे अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकें और बेहतर स्वास्थ्य के लिये उचित निर्णय ले सकें। यह कार्यक्रम प्रदेश के 9 हजार 306 विद्यालयों में संचालित हो रहा है और इसका फायदा 21 लाख छात्र-छात्राओं को मिल रहा है।

उमंग कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिये 52 राज्य स्तरीय, जिलास्तर पर 427 और प्रत्येक स्कूल में 2 शिक्षकों को आरोग्य दूत बनाया गया है। कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिये उनकी आयु के अनुरूप अलग-अलग %उमंग% मॉडयूल तैयार किया गया है। मॉडयूल में मुख्य रूप से स्व-जागरूकता, पोषण, जेण्डर हिंसा, कम उम्र में विवाह, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, सायबर सेफ्टी जैसे गंभीर मुद्दों को शामिल किया गया है। इन मुद्दों के जरिये छात्र-छात्राएँ यह समझ सकें कि उनके लिये क्या सही है और क्या गलत। उमंग कार्यक्रम के जरिये स्कूल में पढ़ने वाले किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को आयरन फोलिक टेबलेट, स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी जांच नियमित रूप से की जा रही है। इसके साथ ही छात्राओं को सेनेटरी पेड, माहवारी के दौरान स्वच्छता और सुरक्षित प्रबंधन की जानकारी दिये जाने की विशेष व्यवस्था है। उमंग कार्यक्रम से स्कूलों को तम्बाकू मुक्त बनाने पर भी विशेष जोर दिया जा रह है। उमंग कार्यक्रम से लगातार मिल रहे सकारात्मक परिणामों की राज्य सरकार स्तर पर प्रत्येक मंच पर सराहना की गई है। उमंग कार्यक्रम को पुरूस्कृत भी किया गया है। उमंग कार्यक्रम को यु-ट्यूब पर 25 लाख से अधिक व्यूज और 9 लाख से अधिक सकारत्मक फीडबैक विद्यार्थियों की ओर से 38 हजार से अधिक फीडबैक शिक्षकों से प्राप्त हुए है। विद्यार्थियों में बालिकाओं और महिलाओं के प्रति सम्मान विकसित करने के उद्देश्य से 10 पोस्टर निर्मित किये गये है। यह पोस्टर्स नारी के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने में सहायक सिद्ध हो रहे है।

उमंग कार्यक्रम की विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार समीक्षा भी की जा रही है।

## गोंड राजाओं के शासन, मध्यकालीन स्मारकों के दर्शन का अनूठा अवसर

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय में मध्यप्रदेश की गोंड कालीन रियासतों से संबंधित स्मारकों की छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने किया। इसमें गोंड कालीन राजनैतिक घटनाओं, प्रशासनिक निर्णयों तथा अन्य विषयों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेज के साथ ही गोंड कालीन रियासतों के शासकों के छायाचित्र, मानचित्र प्रतीक एवं वंशावली भी प्रदर्शित किये जा रहे है।

प्रदर्शनी 16 जुलाई तक खुली रहेगी। प्रवेश निःशुल्क है। भारत के मध्य कालीन इतिहास में गोंड शासकों का महत्वपूर्ण योगदान है। गढ़ेशनृपवर्णनम् अकबर नामा एवं 1667 ई. के रामनगर शिलालेख तथा संग्राम शाह के सिक्कों से इस राजवंश के संबंध में जानकारी उपलब्ध होती है। इस राजवंश का प्रथम शासक यादवराय या जादोराय था तदनन्तर खरजी, गोरक्षदास, संगिनदास (सुखनदास) एवं अर्जुनदास इस राजवंश के शासक हुए।

अर्जुनदास के पुत्र आम्हणदास (अमानदास), जो संग्रामशाह के नाम से गोंड रियासत का अधिपति बना, इस राजवंश का प्रतापी राजा था। दिल्ली के लोदी सुल्तान एवं गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह का समकालीन होने के कारण संग्राम शाह की मध्यकालीन इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका रही। गढ़ेशनृपवर्णनम् के अनुसार संग्रामशाह के क्षेत्राधिकार में 52 गढ़ थे।

## पीएम जन मन योजना में विद्युतीकरण के कार्यों को प्राथमिकता से कराएं

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा कि सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों को कम करने के लिए राजस्व वसूली के साथ-साथ बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। इसके लिए किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रबंध संचालक ने कहा कि अनाधिकृत विद्युत उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। इसके लिए जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकायादारों के बिजली कनेक्शन को तत्काल विच्छेदित करें। बकायादार के नामों को सार्वजनिक करके उनकी लिस्ट नगर निगम, ग्राम पंचायतों तथा तहसील कार्यालयों में प्रदर्शित करवाई जाए। एम.डी. श्री सिंघल ने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता कनेक्शन विच्छेदन के उपरांत अपना कनेक्शन स्वयं ही जोड़ लेता है तो उस पर भी निगरानी रखी जाए और उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। ''प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान'' (प्रधानमंत्री जन मन योजना) के तहत विद्युतीकरण के कार्य प्राथमिकता से कराये। प्रबंध संचालक श्री सिंघल ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों के मैदानी अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सीधी बातचीत की। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के साथ ही उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना कंपनी की जिम्मेदारी है। इसलिए मैदानी अधिकारी अपना निर्धारित लक्ष्य पूरा अवश्य करें ताकि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध करने में हम सफल हो सकें।

## विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस आज

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** परिवार कल्याण साधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं परिवार कल्याण साधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या स्थिरता दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता रैलियों, नवदम्पत्ति परामर्श कार्यक्रमों, नई पहल किट की रिफिलिंग, सास बहु सम्मेलनों सहित विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष यह दिवस विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान थीम पर मनाया जा रहा है। 11 जुलाई से विश्व जनसंख्या माह का शुभारंभ भी होगा, जो कि 11 अगस्त तक संचालित किया जाएगा । माह के दौरान जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से परिवार कल्याण कार्यक्रम में दंपत्तियों को सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाएगा। सामुदायिक स्तर पर नवदंपति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिसमें परिवार नियोजन के साधनों एवं उनके उपयोग की जानकारी दी जाएगी। परिवार कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत नवदंपत्तियों को नई पहल किट प्रदान की जा रही है। इस किट में महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रसाधन, परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी एवं कंडोम व गर्भनिरोधक गोलियां दी जाती हैं। साथ ही प्रेगनेंसी टेस्ट किट भी प्रदान की जाती है। अभियान के पूर्व लक्ष्य दंपत्ति संपर्क पखवाड़े का आयोजन किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा लक्ष्य दंपतियों के साथ ग्रहभेंट कर परिवार कल्याण के अस्थाई साधनों जैसे कंडोम एवं गर्भनिरोधक गोलियों की प्रदायगी की गई थी। साथ ही बच्चों में अंतराल हेतु स्थाई साधन के रूप में नसबंदी हेतु समझाइश भी दी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि परिवार कल्याण कार्यक्रम में बास्केट ऑफ चॉइस के

तहत लक्ष्य दंपत्तियों के लिए परिवार नियोजन के विभिन्न साधन उपलब्ध हैं । ये सभी साधन बेहद सुरक्षित और उपयोग में आसान हैं। परिवार नियोजन के सभी साधन शासन द्वारा निशुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं। नजदीकी स्वास्थ्य संस्था अथवा स्वास्थ्य कार्यकर्ता से इन साधनों को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालों, गैस राहत चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ।नसबंदी अपनाने पर हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि का भुगतान भी किया जाता है। पुरुष नसबंदी पर राशि 3 हजार, महिला नसबंदी पर 2 हजार एवं प्रसव पश्चात 7 दिवस के अंदर महिला नसबंदी करवाने पर 3000 की राशि प्रदान की जाती है ।पीपीआईयूसीडी लगवाने पर ?300 की राशि एवं अंतरा इंजेक्शन पर महिला को ?100 प्रदान किए जाते हैं। इसके साथ ही प्रेरक को भी राशि प्रदान की जाती है।

## आकाशीय बिजली गिरने से झुलसे व्यक्तियों का हो बेहतर और निःशुल्क उपचार

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने एम्स में उपचाररत आकाशीय बिजली गिरने से झुलसे परिवार के सदस्यों से मिल कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी का बेहतर उपचार कराने और पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने को आश्?वस्त किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने सोमवार 8 जुलाई को सुबह आकाशीय बिजली गिरने से सतनामी नगर झुग्गी बस्ती पिपलानी के श्री शैतान सिंह, श्रीमती सविता सिंह, सुश्री सोनम और बालक अमन से एम्स के बर्न वार्ड में मिल कर उपचार के संबंध में बात कर जानकारी ली। श्रीमती

गौर ने श्री शैतान सिंह से कहा कि परिवार के सभी सदस्यों का अच्छे से अच्छा उपचार करवाया जायगा। उपचार निःशुल्क करवाया जायगा। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने एम्स के बर्न वार्ड में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक, डॉ. राहुल दुबेपुरिया से उपचार की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एम्स के चिकित्सकों से आकाशीय बिजली से झुलसे परिवार के सदस्यों का बेहतर उपचार करने के लिए कहा एम्स के बर्न वार्ड के आई सी यू में भर्ती श्री शैतान सिंह ने राज्यमंत्री श्रीमती गौर को बताया कि सोमवार सुबह अचानक झुग्गी की छत की चादर टूट कर गिरी और उनके ऊपर आसमान से अंगारों की बारिश होने लगी। इससे वह, उनकी पत्नी सविता, पुत्री सोनम और पुत्र अमन आग में झुलस गए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने पीड़ित परिवार को 2 लाख रूपए की आर्थिक सहायता नियमानुसार देने के निर्देश एस.डी.एम. श्री रवीश श्रीवास्तव को दिए। उन्होंने शैतान सिंह के पुत्र आकाश से उनके माता- पिता, बहिन भाई के निःशुल्क उपचार करवाने के साथ झुग्गी एवं घरेलू सामान की क्षतिपूर्ति का मुआवजा देने की बात कही। पार्षद श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्री भीकम सिंह बघेल, श्री दलजीत सिंह और श्री संतोष ग्वाला राज्यमंत्री श्रीमती गौर के साथ थे।

### कमिश्नर ने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

# गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से विकास को मिलेगी गति

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सीधी जिले के प्रवास के दौरान कमिश्नर रीवा संभाग बी.एस. जामोद ने विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। जिला अधिकारियों को संबोधित करते हुए कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ सहजता से पहुंचाएं। ग्रामीण क्षेत्रों का अधिक से अधिक भ्रमण करें तथा ग्रामवासियों से अपनत्व के भाव से मिलें। उनकी समस्याओं को जाने तथा तत्परता से उनका निराकरण सुनिश्चित करायें। कमिश्नर ने निर्देशित किया कि समाज के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ सहजता से मिले तथा वह विकास की मुख्य धारा से जुड़े।

कमिश्नर जामोद ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया है कि सभी शासकीय विद्यालयों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करायें। विद्यालयों में शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की उपस्थित समय से हो। लक्ष्यानुसार विद्यार्थियों का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। ऐसे विद्यार्थी जो समय पर विद्यालय नहीं आते हैं उनके अभिभ्ज्ञावकों से संपर्क कर उन्हें समय पर विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करें। कमिश्नर ने गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने पर विशेष जोर दिया। कमिश्नर ने कहा कि शिक्षा से ही विकास को गति मिलेगी। शिक्षा विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अपना योगदान दें। गत वर्ष जिन विद्यालयों का परिणाम खराब रहा है उन पर विशेष ध्यान दें। कमिश्नर ने जिले के सभी विद्यालयों में पुस्तक वितरण का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं।

कमिश्नर ने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन तथा मत्स्य पालन विभाग एक टीम के रूप में कार्य करें। जिला स्तर पर उक्त विभागों के अधिकारियों का संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित करायें जिनमें उन्हें विभागीय योजनाओं की जानकारी हो। कृषकों की आय में वृद्धि के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। कमिश्नर ने ऐरा प्रथा रोकने के लिए पशुपालन विभाग को जनजागरण अभियान चालने के निर्देश दिए हैं। जिसमें राजस्व विभाग तथा पंचायत विभाग सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होने पशुपालन के लिए किसान भाइयों को प्रेरित करने, बर्मी कम्पोस्ट के लिए मुहिम चलाने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं।

कमिश्नर ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी किसानों के बीच में अधिक से अधिक समय बिताएं, किसानों को नवीन तकनीकी की जानकारी दें तथा उन्नत कृषि को बढ़ावा दें। कमिश्नर ने जिले के सभी तालाबों में मछली पालन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। पशुपालन एवं उद्यानिकी के लिए क्लस्टर बेस्ट एप्रोच अपनाने के निर्देश दिए गए हैं।

कमिश्नर ने आंगनवाड़ी केन्द्रों के सुचारू संचालन के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्री प्रायमरी शिक्षा की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र में नजदीकी विद्यालय के शिक्षक सप्ताह में एक दिन 3 घंटे का समय व्यतीत करेंगे तथा 6 वर्ष की आयु वाले बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। पोषण के स्तर में सुधार के लिए कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को संयुक्त प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। जिले में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए निर्देशित किया गया है।

कमिश्नर ने सभी निर्माण एजेन्सियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा समय-सीमा को ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। सभी मार्गों के मरम्मतीकरण के कार्यों में निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वरोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने लक्ष्यानुसार सभी बैंको में प्रकरण प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। बैंक उनका परीक्षण कर लें तथा कमियों को हितग्राहियों से संपर्क कर आवश्यक सुधार करा लें। कमिश्नर ने दिसम्बर के पूर्व शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। लंबित सीमांकन के निराकरण के लिए जिले में प्रत्येक शनिवार को सीमांकन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विगत दो सप्ताह में 18 सौं से अधिक सीमांकन किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रत्येक पात्र हितग्राही को लाभान्वित करने के लिए जिले में शून्य शक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत गत एक माह में 2 हजार से अधिक पेंशन स्वीकृत किए गए हैं। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के लिए जिलास्तर पर कंट्रोल रूम संचालित है जो लगातार हितग्राहियों से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए क्रिक रिस्पांस टीम गठित की गई है। कलेक्टर ने आश्वस्त किया है कि जिले की पूरी टीम संवेदनशीलता के साथ शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करेगी। कमिश्नर ने जिले के नवाचारों की सराहना करते हुए लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कहा है।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद वास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संतोष त्रिपाठी, उपायुक्त डीएस सिंह सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## आरआई का रिश्वत लेते वीडियो वायरल

### सीमांकन के लिए किसान ने दिए 5 हजार रुपए, जिला मुख्यालय में अटैच

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले की मझौली तहसील में पदस्थ राजस्व निरीक्षक का रिश्वत लेने का वीडियो बुधवार को वायरल हो रहा है। वीडियो में राजस्व निरीक्षक धर्मराज गुप्ता किसान देवराज साकेत निवासी पाड़ से 5 हजार रुपए लेते दिख रहे हैं। वही वीडियो में किसान कह रहा है कि 15 हजार देने थे जिसमें 5 हजार की आखिरी किस्त देने के लिए आया हूं। बताया गया कि किसान ने सीमांकन और नक्शा तरमीन के लिए आवेदन दिया था। लेकिन आरआई ने कहा कि केवल इतने रुपए में नक्शा तरमीन और सीमांकन नहीं होगा। इसके बाद किसान पैसे देने के लिए आया तो उसने वीडियो बना लिया। मझौली सीडीएम आरपी त्रिपाठी ने बताया कि वीडियो मार्च का है। कर्मचारी पर कार्रवाई की गई है। उन्हें जिला मुख्यालय में अटैच कर दिया गया था।

## गांजे की खेती करने वाला गिरफ्तार

### कोतवाली थाना पुलिस की कार्रवाई में 24 किलो से ज्यादा अवैध मादक पदार्थ जब्त

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले में नशे के खिलाफ अभियान चलाकर उसे खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत सीधी कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने ग्राम जमुनिहा से एक आरोपी के खेत के बाड़े से 73 नग गांजे की हरे पेड़ को जब्त कर लिया है।

थाना प्रभारी कोतवाली अभिषेक उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया है कि आरोपी आनंद बहादुर सिंह अपने घर से कुछ ही दूर पर एक खेत में बड़ा बनाकर गांजे की खेती कर रहा था। जहां जानकारी मिलते ही एसआई तरुण बेड़िया को टीम के साथ भेजा गया।

जहां 2.50 लाख रुपए कीमत का गांजा का हरा पेड़ जब्त कर लिया गया। इसके बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई भी की गई। आरोपी आनंद बहादुर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई मंगलवार के दिन सुबह करीब 10 बजे की गई है।

## फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवती का शव

### मोरवा थाना क्षेत्र की भगत सिंह कॉलोनी की घटना; जांच में जुटी पुलिस

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के मोरवा थाना क्षेत्र स्थित भगत सिंह कॉलोनी में सोमवार को एक 18 वर्षीय युवती का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची ने शव को नीचे उतारकर पंचनामा बनाया और पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

जानकारी के अनुसार अंजली पिता राम बहादुर कुशवाहा(18) निवासी प्रयागराज (उप्र) का शव भगत सिंह कॉलोनी स्थित घर में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना के समय उसकी छोटी बहन और भाभी थी।

छोटी बहन ने अंजली को देखकर घटना की सूचना मोरवा पुलिस को दी। इसके बाद सहायक उपनिरीक्षक अरूण सिंह ने मौके पर पहुंचकर युवती को फंदे से उतारकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## कमिश्नर ने किया अमृत सरोवर एवं चेक डैम का निरीक्षण

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सीधी प्रवास के दौरान कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद द्वारा ग्राम पंचायत खिरखोरी के छपरहिया टोला में अमृत सरोवर तथा रेवनार नदी में बने चेक डैम का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने हितग्राहियों अमृत लाल कोल एवं अन्य को अमृत सरोवर को मत्स्य पालन के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया। कमिश्नर ने विभागीय अधिकारियों को उक्त कार्य में हितग्राहियों को आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उनके साथ कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संतोष त्रिपाठी, उपायुक्त डीएस सिंह, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा हिमांशु तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी अशोक तिवारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

### कमिश्नर ने गोरियरा जलाशय में केज कल्चर इकाई का निरीक्षण किया

## गोरियरा जलाशय में केज कल्चर इकाई का विस्तार करने प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

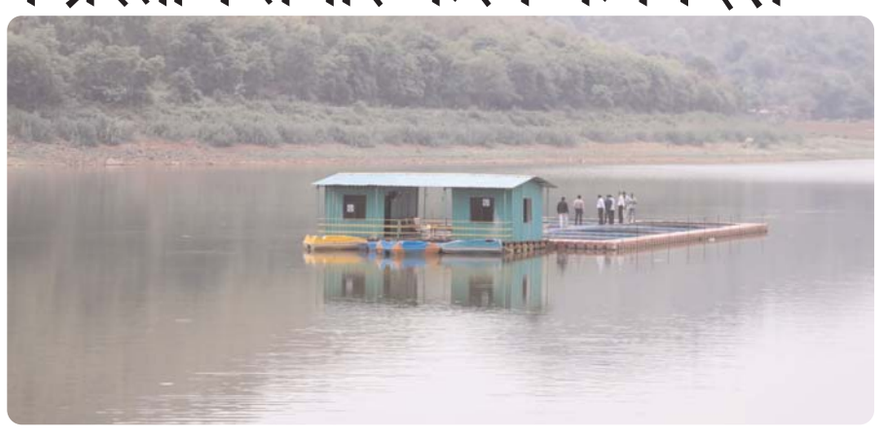

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कमिश्नर रीवा संभाग बी.एस. जामोद द्वारा गोरियरा जलाशय में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अंतर्गत स्थापित केज कल्चर इकाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री जामोद द्वारा हितग्राहियों से चर्चा की गई । हितग्राही द्वारा विस्तार से केज में किये जा रहे मत्स्यपालन की गतिविधियों से अवगत कराया गया। कमिश्नर द्वारा गोरियरा जलाशय में स्थापित केज कल्चर इकाई में किये जा रहे मत्स्यपालन की गतिविधियों की सराहना की गई। कमिश्नर ने सहायक संचालक मत्स्योद्योग सीधी को निर्देशित किया कि गोरियरा जलाशय में केज कल्चर इकाई का विस्तार करने हेतु प्रस्ताव तैयार कर यथाशीघ्र संचालनालय मत्स्योद्योग म.प्र. भोपाल को प्रेषित किया जाये। इस अवसर पर उनके साथ कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, उपायुक्त डीएस सिंह, सहायक संचालक मत्स्योद्योग दीपक शुक्ला सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## हॉस्टल से भागी 2 आदिवासी छात्राएं, दीवार फांदकर पहुंची बस स्टैंड, ऑटो चालक को बताई समस्या

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** शहडोल के पांडवनगर में स्थित कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास से कक्षा 6 वीं की दो आदिवासी छात्राएं दीवार फांदकर भाग गईं। रविवार शाम 7 बजे दोनों छात्राओं को कोतवाली पुलिस ने ऑटो चालक की सूचना पर न्यू बस स्टैंड से संरक्षण में लिया।

छात्राएं दोपहर लगभग 3 बजे हॉस्टल से भागी थीं और रात 8 बजे तक हॉस्टल प्रबंधन को इस मामले की कोई खबर नहीं थी। दोनों छात्राओं को कोतवाली पुलिस ने अपने हिरासत में लेकर प्रशासन को जानकारी दे दी है। वहीं छात्राओं के परिजन भी शहडोल के लिए रवाना हो गए हैं।

**छात्राओं की कहानी उन्हीं की जुबानी:** हम लोग 2 दिन पहले शुक्रवार को पहली बार शहडोल के पांडवनगर स्थित कस्तूरबा गांधी छात्रावास पहुंचे थे। हम लोगों को मम्मी पापा छोड़ने आए थे। शनिवार को हम स्कूल भी गए थे। हॉस्टल में हमें अच्छा खाना नहीं मिलता था। दाल उबालकर दे दिया जाता है। जली रोटियां और अधपका चावल हमें परोसा जा रहा था। शिकायत करने के बाद भी हमें उसी भोजन खाने के लिए दबाव बनाया जाता था। हॉस्टल वार्डन ने हमें डंडे से भी पीटा।

इसके बाद रविवार दोपहर हमने हॉस्टल से भागने का प्लान किया। हॉस्टल में 4 कैमरे लगे हैं। इनमें से 2 बंद हैं। पीछे के कैमरे पूरी तरह से बंद थे। सुबह से हमने अपना पूरा सामान पैक किया। दोपहर 3 बजे के लगभग हॉस्टल के पिछले हिस्से की दीवार से पहले हमने अपना सामान बाहर फेंका।

दो लोहे की पेटी, बाल्टी और बैग को बाहर फेंकने के बाद हम दोनों लोहे की गेट को फांदकर बाहर आ गए। पूरा सामान उठाकर हम पैदल ही कलेक्ट्रेट के सामने जयस्तंभ पहुंचे। वहां हमें एक टैक्सी मिली। उसमें सवार होकर हम सीधे बस स्टैंड पहुंचे।

ऑटो चालक ने हमसे 20 रुपए लिया और हमें छोड़कर वापस चला गया। हमें अनूपपुर जाना था, किस बस में जाना है कुछ समझ नहीं आ रहा था। हम रोने लगे। तभी वही ऑटो वाले अंकल फिर से हमारे पास आए। उन्होंने अपना नाम कामता गोले बताया। हमसे रोने का कारण पूछने लगे, तब हमने उन्हें अपनी पूरी बात बताई।ऑटो वाले अंकल ने मोबाइल से हमारी बात मम्मी पापा से करवाई। पापा ने शहडोल में रहने वाले चाचा को हमारे पास भेजा। इसके बाद पुलिस आई और हमें अपने साथ ले गई।

**ऑटो चालक ने दिखाई सूझबूझ:** छात्राओं को जयस्तंभ से बस स्टैंड तक पहुंचाने वाले ऑटो चालक की सूझबूझ से नाबालिग आदिवासी छात्राएं सुरक्षित हैं। लगभग 4 बजे छात्राओं को बस स्टैंड में पहुंचाने के बाद जब चालक कामता दोबारा स्टैंड पहुंचा तो दोनों छात्राएं बैठकर रो रहीं थीं।

चालक दोबारा उनके पास आया और रोने का कारण पूछा। तब छात्राओं ने उन्हें बताया कि हम लोग हॉस्टल से भागकर आए हैं और अनूपपुर के राजेंद्रग्राम जाना है। हॉस्टल से भागने की बात सुनकर चालक ने सूझबूझ दिखाई और स्थानीय लोगों को सूचना दी।

**हॉस्टल प्रबंधन को कोई खबर नहीं:** कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास से छात्राओं को भागे 4 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका था। इसके बाद भी हॉस्टल प्रबंधन को इसकी कोई खबर नहीं थी। छात्राओं को तलाशने के कोई प्रयास नहीं किए गए। यह बड़ी लापरवाही है। वहीं बस स्टैंड में पुलिस ने मानवता की मिशाल पेश करते हुए दोनों छात्राओं को नाश्ता करवाया और महिला पुलिस के साथ हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई।

## तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मासूम की मौत

### साइकिल से किराना सामान लेकर लौट रहा था; पन्ना के पुरषोत्तमपुर में हुआ हादसा

**मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)।** कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरषोत्तमपुर में बुधवार को एक बाइक सवार ने साइकिल से जा रहे शिक्षक के बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार पगरा गांव निवासी अनिकेत राय (12) अपने मामा के घर पुरुषोत्तमपुर आया था। बुधवार को वह किराना सामान लेकर साइकिल से वापस घर वापस लौट रहा था। इस दौरान एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। परिजनों ने बताया कि अनिकेत घर का इकलौता बेटा था।

## बड़े वाहनों से डीजल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

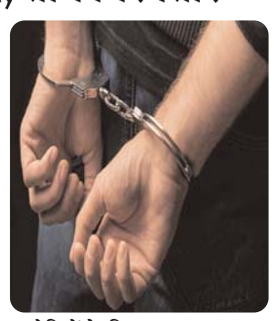

**मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)।** थाना मड़ला क्षेत्रांतर्गत कृष्णा होम स्टे के पास खड़े ट्रक से रात में 150 लीटर डीजल कीमत 14 हजार रुपए की चोरी करने वाले आरोपी अजय लोनी, भूपेन्द्र लोनी और शनि साहू को चोरी में प्रयुक्त 7 लाख के लग्जरी वाहन के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया है।

एसपी पन्ना सांई कृष्णा थोटा ने बताया कि फरियादी सुरेन्द्र पिता पूरन पाल उम्र 28 वर्ष निवासी मड़ला द्वारा पुलिस को रिपोर्ट में बताया गया कि वह ट्रक ड्राइवरी का काम करता है। 22 जून को रात के समय ट्रक को मड़ला में कृष्णा होम स्टे के थोड़ा आगे खड़ा करके घर चला गया था। अगले दिन जब सुबह वह वापस ट्रक लेने आया तो ट्रक के डीजल टैंक का ढक्कन खुला मिला। उन्होंने डीजल चेक किया जो 150 लीटर डीजल कम था। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाना मड़ला में धारा 379 भादवि का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया।

मड़ला थाना पुलिस ने मामले में 3 आरोपियों को खिला चौकी के आगे पुलिया के पास से अभिरक्षा में लिया और पूछताछ की। जिन्होंने घटना करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि हम लोगों ने 110 लीटर डीजल बेचकर मिले पैसों का बंटवारा कर लिया था। 40 लीटर डीजल पुलिया के नीचे छिपाया है।

# विचार

## कांग्रेस शासित राज्यों में मुसलामान पिछड़े क्यों हैं?

देश में अल्पसंख्यकों के विकास के बजाए भावनात्मक मुद्दों पर बरगला कर उनके दोहन का खेल जारी है। राजनीतिक दल अल्पसंख्यकों को वोट बैंक की फसल से ज्यादा कुछ नहीं समझते। अल्पसंख्यकों का अधिक हितेषी साबित करने के लिए गैरभाजपा राजनीतिक दलों में कभी खत्म नहीं होने वाली चुनावी प्रतिस्पर्धा जारी है। इसका मंच चाहे चुनावी सभाएं हो या संसद के दोनों सदन। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का अल्पसंख्यक वोट बैंक को रिझाने के प्रयास में भाजपा पर देशभक्त अल्पसंख्यकों के खिलाफ भी हिंसा फैलाने का आरोप लगाया। राहुल ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ, मुसलमानों के खिलाफ और सिख लोगों के खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। जबकि अल्पसंख्यक हर क्षेत्र में अपना योगदान देते हैं। अल्पसंख्यक देश के साथ पत्थर की तरह खड़े हैं, देशभक्त हैं और आप सबके खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अल्पसंख्यकों ने देश के साथ-साथ संविधान की भी रक्षा की है। राहुल गांधी का यह बयान महज एक चुनावी बयान से अधिक कुछ नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब अल्पसंख्यकों के वोट बैंक के लिए संसद के मंच का इस्तेमाल किया गया हो। चुनावी सभाएं हों या संसद, मौके-बेमौकों पर अल्पसंख्यक की हिमायत करने का कांग्रेस और दूसरे गैरभाजपा दल कोई मौका नहीं छोड़ते। अल्पसंख्यकों की पैरवी करने वाली कांग्रेस और राहुल गांधी ने यह खुलासा कभी नहीं किया कि आजादी के करीब 60 साल तक कांग्रेस का शासन केंद्र और ज्यादातर राज्यों में रहने के बावजूद अल्पसंख्यक बुनियादी सुविधाओं और देश की विकास की मुख्यधारा से दूर क्यों हैं। अल्पसंख्यकों को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस ने कांग्रेसशासित राज्यों में उनकी भलाई के लिए कौन से प्रयास किए। इसके अलावा केंद्र और भाजपा शासित राज्यों में सरकारी योजनाओं में अल्पसंख्यकों से कौनसा भेदभाव किया गया है। इसका भी खुलासा कभी कांग्रेस ने नहीं किया है। यह सही है कि भाजपा ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों को पार्टी में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया, किन्तु यह भाजपा का आंतरिक मामला है। सरकारी स्तर पर भाजपा के मुसलमानों से भेदभाव का एक भी उदाहरण मौजूद नहीं है। जो योजनाएं देश या राज्यों के स्तर पर भाजपा सरकारों ने लागू कि उनमें सभी को पात्रता के आधार पर सुविधाएं दी गई हैं। जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर कोई अंतर नहीं रखा गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अनुसार साल 2014 से देश में पारसी, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले लगभग 5 करोड़ से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से खासकर मुस्लिम लड़कियों के स्कूल छोडने की संख्या कम हुई है। 2014 से पहले मुस्लिम लड़कियों में स्कूल छोडने की संख्या 70 प्रतिशत थी जो अब घटकर 30 प्रतिशत से भी कम हो गई है।

# चक्रीय अर्थव्यवस्था सर्क्यूलर इकॉनामी की आवश्यकता क्यों?

**प्रह्लाद सबनानी**

**हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।**

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है। कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं। चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आश्य उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चत्तम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बर्बादी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुन: उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुन: उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफ सर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है - रिड्यूस ( -उत्पादों का उपयोग कम करें), रीयूज (-उत्पादों का पुन: उपयोग करें), रीसाइकल (-बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन ( -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर ( -उत्पाद की मरम्मत कर पुन: उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (2 -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुन: उपयोग करना), रिकवर ( -खराब हुए उत्पाद के कुछ पार्ट्स का पुन: उपयोग करना), रीथिंक -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस, रिमैन्यूफेक्चर आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं। अत: कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुन: उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है। जैसे जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम किया जा सके। आज समय की मांग है कि विश्व के समस्त देश ऊर्जा सम्मिश्रण के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करें। भारत ने सुझाव दिया है कि पेट्रोल में ईथेनाल सम्मिश्रण को वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, अथवा वैश्विक भलाई के लिए कोई और सम्मिश्रण पदार्थ की खोज की जाए, जिससे ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। भारत ने उत्सर्जन वृद्धि को कम करने के उद्देश्य से बहुत पहले (2 अक्टूबर 2015 को) ही अपने लिए कई लक्ष्य तय कर लिए थे। इनमें शामिल हैं, वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 30 से 35 प्रतिशत तक कम करना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है), गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा के उत्पादन के स्तर को 40 प्रतिशत तक पहुंचाना (भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को अब 50 प्रतिशत तक बढ़ा लिया है) और वातावरण में कार्बन उत्पादन को कम करना, इसके लिए अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण का निर्माण करना, आदि। इन संदर्भों में अन्य कई देशों द्वारा अभी तक किए गए काम को देखने के बाद यह पाया गया है कि जी-20 देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो पेरिस समझौते के अंतर्गत तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करता दिख रहा है। जी-20 वो देश हैं जो पूरे विश्व में वातावरण में 70 से 80 प्रतिशत तक उत्सर्जन फैलाते हैं। जबकि भारत आज इस क्षेत्र में काफी आगे निकल आया है एवं इस संदर्भ में पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 550 लक्ष सौर ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत ने अपने लिए वर्ष 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर जमीन को दोबारा खेती लायक उपजाऊ बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। साथ ही, भारत ने इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर संधि करते हुए 88 देशों का एक समूह बनाया है ताकि इन देशों के बीच तकनीक का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके।

# कोलेस्ट्रॉल का बढ़ रहा खतरा स्वास्थ्य को चौपट कर देगा

**ललित गर्ग**

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत का अनेक खतरों से रू-ब-रू होना चिन्ता में डाल रहा है। बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता के साथ मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसे रोग दबे पांव इंसानों को घेर कर बड़ी चुनौतियां बन रहे हैं, जिन्हें बड़े खतरों के रूप में देखा जाना चाहिए। इन्हीं बढ़ते खतरों के बीच देश में कोलेस्ट्रॉल एक नई स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्य के मोर्चे पर गंभीर हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही है, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ हम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो भारत बीमारों का देश बन जायेगा। भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी से फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर की तरह है। इस बीमारी के लक्षण तो नजर नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगती है और हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित ही कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मद्यपान आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है। इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानपान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे।

कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नबंर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 57 फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है। दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है।

एमपी के मिमिक्री आर्टिस्ट ने कभी ईडी-आरबीआई अफसर तो कभी जज बनकर ट्रांसफर कराए पैसे

# सॉफ्टवेयर इंजीनियर ड्रीमगर्ल की चाहत में हुआ ठगी का शिकार, 1 करोड़ 40 लाख रुपये गंवाये



**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर का सॉफ्टवेयर इंजीनियर ड्रीमगर्ल की चाहत में ठगी का शिकार बन गया। उससे 1 करोड़ 40 लाख रुपए की ठगी हो गई। मिमिक्री आर्टिस्ट ने लड़की की आवाज में उससे बात की और शादी करने की बात कहकर फंसा लिया। इसके बाद फीमेल वॉइस में ब्लैकमेल कर पैसे वसूलता रहा। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

परेशान होकर इंजीनियर ने पुलिस से शिकायत की। मामले की जांच करते हुए पुलिस आरोपी तक पहुंच गई और उसे मध्यप्रदेश के मैहर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने एसपी रजनेश सिंह के आगे बताया कि उसने कैसे आवाज बदलकर इंजीनियर को अपना शिकार बनाया।

**शादी करने के लिए लड़की तलाश रहा था फरियादी:** एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि सरकंडा निवासी नितिन जैन महाराष्ट्र के पुणे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उसे शादी करने के लिए लड़की की तलाश थी। कुछ दिन पहले मध्यप्रदेश के मैहर का रोहित जैन (33 वर्ष) अपने भाई से मिलने पुणे गया था। इसी दौरान नितिन रोहित से मिला। बातचीत में उसने बताया कि शादी के लिए उसे लड़की की तलाश है। बस इसी का फायदा उठाते हुए रोहित ने नितिन से मेल-जोल बढ़ाना शुरू कर दिया। उसने लड़की तलाशने की बात कहकर नितिन को अपने भरोसे में ले लिया।

**तीन लड़कियों के फोटो इंजीनियर के पास भेजे:** इसके बाद उसने इंटरनेट से तीन लड़कियों के फोटो निकालकर नितिन के पास भेज दिए। इसमें एक युवती को नितिन ने पसंद किया। रोहित ने उसका नाम एकता जैन बताया। फिर उसने खुद ही दूसरे नंबर से लड़की की आवाज में बात करनी शुरू कर दी। पहले उसने एकता बनकर अलग-अलग बहाने से लाखों रुपए ट्रांसफर कराए, फिर अलग-अलग सिम से खुद को एकता का भाई, जज और अधिकारी बनकर नितिन से बात की। इतना ही नहीं उसने नितिन को ब्लैकमेल कर एक करोड़ 40 लाख रुपए वसूल लिए। इससे तंग आकर नितिन ने पुलिस की मदद ली। उसकी शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद आरोपी रोहित जैन को मैहर से गिरफ्तार किया।

**आवाज बदलकर बनाई कहानी और वसूले पैसे:** आरोपी रोहित जैन मिमिर्की आर्टिस्ट है। लिहाजा, वह आवाज बदलने में माहिर है। उसने पहले काल्पनिक लड़की एकता जैन बनकर इंजीनियर रोहित से बात की। शादी के लिए तैयार होने की बात कहते हुए उसे अपने झांसे में लिया। इसके बाद बीमार होने की बात कहते हुए उसने नितिन से 30 लाख रुपए अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर कराए।

**लड़की का भाई अंशुल जैन बनकर की ठगी:** इस दौरान आरोपी रोहित अपनी मनगढ़ंत कहानी का दूसरा पात्र अंशुल जैन बन गया और लड़की का ममेरा भाई बताकर नितिन से बातचीत शुरू की। साथ ही अपनी बहन की शादी कराने पारिवारिक सहमति बनाने में मदद करने की बात कही। इसी दौरान उसने शेयर मार्केट में नुकसान होने की बात कहते हुए नितिन से मदद मांगी। इसके बाद पारिवारिक समस्या और प्रॉपर्टी टैक्स भरने के बहाने बना-बनाकर 30 लाख रुपए ट्रांसफर कराए।

**जज के नाम पर लगाया चूना:** आरोपी रोहित ने पुणे जाकर फिर एक नई कहानी बनाई। उसने बताया कि एकता का परिवार हैदराबाद में रहता है। वहां पर उनकी प्रॉपर्टी है, जिसे बेचने के लिए हैदराबाद जाना है।यहां पर उसने एकता के गिरफ्तार होने की बात कही। साथ ही बदली हुई आवाज में खुद को जज बताकर करीब 20 लाख की वसूली की। ये रकम उसने अलग-अलग अकाउंट में जमा कराई।

**टैक्स अफसर के नाम पर लिए 15 लाख:** आरोपी रोहित ने लड़की की आवाज में पहले ही नितिन को बताया था कि उसकी चेन्नई में प्रॉपर्टी है। इसके बाद उसने टैक्स अधिकारी बनकर बात की। उसने प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं होने की बात कहते हुए एकता की गिरफ्तारी करने की बात कही। इससे बचने के लिए उसने तमिल, हिंदी ओर अंग्रेजी में बातचीत कर करीब 15 लाख रुपए वसूले।

**आरबीआई अधिकारी बनकर किया कॉल:** आरोपी रोहित ने बदली हुई आवाज में इंजीनियर को कॉल किया। उसने इंस्टट लोन ऐप के जरिए रकम अदायगी नहीं कर पाने की बात कही। साथ ही जांच एजेंसियों की नजर में होने का झांसा दिया। खुद ही मकान के नीचे खड़े रहकर मकान की तस्वीर ली और नितिन के मोबाइल पर भेजा। रोहित ने ईडी के अधिकारियों के आने का डर दिखाते हुए दरवाजा खोलने से मना किया। इस दौरान वह खुद बाहर से दरवाजे पर दस्तक देता रहा। डरे हुए नितिन ने उसके बताए खाते में 20 लाख रुपए जमा करा दिए।

**स्कूल टाइम से मिमिक्री करता था रोहित:** एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि आरोपी रोहित जैन स्कूल के समय से ही फिल्मी कलाकारों की नकल करता है। वह कई कलाकारों की आवाज अच्छी तरह से निकाल लेता है। इसके अलावा लड़कियों की आवाज में भी बात करता है। इसी हुनर का फायदा उठाते हुए उसने इंजीनियर से ठगी की।

**ऑनलाइन सट्टे में उड़ाई ठगी की रकम:** एसपी रजनेश सिंह ने मामले का पर्दाफाश करते हुए बताया कि आरोपी आदतन सटोरिया है। वह ऑनलाइन बेटिंग ऐप पर दांव लगाता है। ठगी की रकम को उसने अलग-अलग ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म पर लगा दिया। इसमें से वह बड़ी रकम हार गया। उसने पुलिस को बताया कि हारने के बाद ठगी और ब्लैकमेलिंग के पैसों को सटोरियों के अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर कराया। मामले में पुलिस ने करीब 40 बैंक अकाउंट फ्रीज कराए हैं। बैंक खातों से पीड़ित की रकम वापस कराने की भी कार्रवाई की जाएगी।

## हल्दी की रस्म के बाद दुल्हन ने दी जान

### शादी से 2 दिन पहले मिली लाश

**मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)।** दुर्ग जिले में मंगलवार देर रात शादी से 3 दिन पहले युवती ने तालाब में कूदकर खुदकुशी कर ली। परिवार में एक साथ दो बहनों और एक भाई की शादी होने वाली थी। भाई की हल्दी रस्म के बाद छोटी बहन ने आत्मघाती कदम उठाया है। घटना नंदिनी थाना क्षेत्र की है।

थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि, मेडेसरा निवासी राजेश जोशी की बेटी तेजश्वनी जोशी (19) उसकी बड़ी बहन और भाई गजपाल जोशी तीनों की एक साथ शादी तय हुई थी। आशंका है कि तेजश्वनी को यह शादी पसंद नहीं थी। इसलिए उसने मंगलवार देर रात तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली।

**बुधवार सुबह मिली लाश:** गांव के एक युवक ने बुधवार सुबह जब लड़की का शव तालाब में तैरते देखा। उसने ग्रामीणों को बताया। सूचना मिलने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। शव बाहर निकाला गया, तो उसकी पहचान तेजश्वनी जोशी के रूप में हुई। इसके बाद परिजनों को इसकी जानकारी दी गई। घटना के बाद अब दोनों भाई-बहन की शादी फिलहाल कैंसिल कर दी गई।

**9 जुलाई को था हल्दी का कार्यक्रम:** तेजश्वनी के चाचा टोमन लाल जोशी ने बताया कि, 9 जुलाई को तेजश्वनी के भाई की हल्दी का कार्यक्रम था। रात में उसने भाई और बहन के साथ हल्दी लगवाई। संगीत का कार्यक्रम हुआ। सब लोग कार्यक्रम में व्यस्त थे। खाना खाने के बाद अचानक वो घर से बाहर चली गई। सुबह उसकी लाश तालाब में मिली है।

**12 जुलाई को दोनों बहनों की आनी थी बारात:** राजेश जोशी ने बेटे की बुधवार को बारात निकलनी थी। तेजश्वनी और उसकी बड़ी बहन की बारात 12 जुलाई को आनी थी। तेजश्वनी की शादी नंदिनी थाना क्षेत्र के बीरेभाठ गांव में तय हुई थी। वहीं, उसकी बहन की शादी बानबरस में लगी है। बेटी की मौत के बाद घर में मातम का माहौल छा गया है।

## गुस्से में मर्डर, पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

### घर से मोबाइल और 15000 रुपए गायब होने पर हुआ झगड़ा; गुस्से में मर्डर

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में एक व्यक्ति ने पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला। बताया जा रहा है कि घर से मोबाइल और पैसे गायब होने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। वारदात मनेंद्रगढ़ कोतवाली क्षेत्र के चनवारीडांड की है।

जानकारी के मुताबिक, चनवारीडांड बैगापारा निवासी रामप्रसाद बैगा (55 वर्ष) ने घर में 15 हजार रुपए रखे था, जो गायब थे। उसने पैसों की काफी तलाश की लेकिन नहीं मिले। ऐसे में मंगलवार रात को उसने अपनी पत्नी फूल बाई (50 वर्ष) से पैसों के बारे में पूछा। फूल बाई ने जानकारी होने से मना कर दिया। इसके बाद विवाद बढ़ गया।

**बेहोश होकर जमीन पर गिरी तो उठी नहीं:** बताया जा रहा है कि मंगलवार रात करीब 12 बजे विवाद के बाद पति रामप्रसाद ने गुस्से में पत्नी फूलबाई की लकड़ी से बेदम पिटाई कर दी। हमले में उसके सिर और अंदरूनी अंगों में गंभीर चोटें आईं। बेदम पिटाई से फूलबाई बेहोश होकर जमीन पर गिर गई और दोबारा नहीं उठ सकी।

मारपीट में गंभीर रूप से घायल फूलबाई की रात में ही मौत हो गई। जब पड़ोसी उसके घर पहुंचे तो शव जमीन पर पड़ा था। इसकी सूचना मनेंद्रगढ़ पुलिस को दी गई। घटना के दौरान पति-पत्नी के अलावा कोई सदस्य घर में नहीं था।

पुलिस ने बताया कि शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया जाएगा। वहीं, पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी राम प्रसाद बैगा को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

## शासकीय योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाये

**मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)।** कलेक्टर श्री डी. राहुल वेंकट ने आज समय सीमा की बैठक में विभाग वार लंबित प्रकरणों पर भी चर्चा की। जिसमें न्यायालय प्रकरण अन्य लंबित प्रकरणों में राजस्व जिला पंचायत वरिष्ठ लिपिक शाखा, न्यायिक शाखा, वन विभाग, भू.अर्जन शाखा, पुरातत्व शाखा, खाद्य विभाग, जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, आदिवासी विभाग, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खनिज, श्रम, समाज कल्याण, लोक निर्माण, लीड बैंक, महिला एवं बाल विकास, खेल विभाग, आबकारी, जनपद पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, नगर पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, एसईसीएल, कृषि विभाग इत्यादि के प्रकरणों पर क्रमवार चर्चा करते हुए उन्होंने स्वीकृत हुए कार्यों जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने समस्त विभागों को जैम पोर्टल से सामग्री खरीदने हेतु रजिस्ट्रेशन की स्थिति जांच कर यथास्थिति से विभागों को अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने डीएमएफ मद से जो आवश्यक कार्य उनके प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

उन्होंने आमाखेरवा में बनने वाले जिला अस्पताल, आयुर्वेद अस्पताल, सीएमएचओ ऑफिस का चिन्हांकन करने के लिए निर्देश दिये। इसके लिए उन्होंने तहसीलदार और सीजीएससी के कर्मचारी को संयुक्त दौरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने शासकीय सेवा से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त, मृत होने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के पेंशन, लंबित पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि के प्रकरणों का शासन द्वारा समय.समय पर जारी निर्देशों के अनुसार समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिये।

स्कूल बैग-बोरे में पैर-सिर और कपड़ों के साथ पासपोर्ट मिले

## टुकड़ों में मिली युवक की लाश

**मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के गोपालपुर के बांघापारा डैम के पास स्कूल बैग और बोरे में एक युवक के शव के टुकड़े और कटा हुआ सिर मिला है। दुर्गंध आने पर जब ग्रामीण पास गए तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। बोरे से पासपोर्ट और कुछ और दस्तावेज मिले हैं। जिसके मुताबिक वो सऊदी अरब के दमम से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, वहां से फिर रांची के लिए रवाना हुआ था।

बुधवार की सुबह ग्रामीण बांघापारा डैम में नहाने गए थे। इस दौरान उन्होंने झाड़ियों के पास से तेज बदबू महसूस की। पास जाकर देखा तो उन्हें एक बोरा और स्कूली बैग मिला, जिससे दुर्गंध आ रही थी। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। लाश के टुकड़ों को बोरे और बैग में भरकर पत्थर और ईंट बांधकर पानी में डाला गया था।

**बोरे और बैग से क्या क्या निकला:** पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बोरे और स्कूली बैग को झाड़ियों से बाहर निकाला। बोरे में पैर का आधा हिस्सा और स्कूली बैग में दूसरे पैर का आधा हिस्सा मिला। हालांकि, गले का ऊपर वाला हिस्सा नहीं मिला है। इसके अलावा, स्कूली बैग में कुछ टी-शर्ट और बाल भी मिले हैं।

**लाश के टुकड़े मिलने से इलाके में दहशत का माहौल:** वहीं ग्रामीणों ने कहा कि डैम में लाश के टुकड़े मिलने से इलाके में दहशत का माहौल है। लोग इधर आने से भी घबरा रहे हैं। पासपोर्ट के मुताबिक युवक झारखंड के रांची का निवासी बताया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा ने बताया कि बोरे से पासपोर्ट और कुछ अन्य दस्तावेज मिले हैं। पासपोर्ट में युवक का नाम मोहम्मद वसीम अंसारी लिखा है, जिसकी जन्मतिथि 1998 है।

**सऊदी अरब के दम्मम से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा था:** एएसपी नेहा वर्मा ने कहा कि, 2 जुलाई को दिल्ली एयरपोर्ट में एंट्री दिखाई दे रही है। साथ ही वह सऊदी अरब के दम्मम से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, वहां से फिर रांची के लिए रवाना हुआ था। वहां से इधर कैसे पहुंचा, उसकी जांच की जा रही है। अन्य दस्तावेज पानी में भीग गए हैं। पुलिस हर एंगल से तफ्तीश कर रही है।

## 47 हजार बेघरों को मिलेगा अपना आशियाना

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ में पुलिस की भर्ती में अब स्थानीय युवाओं को आयु सीमा में पांच साल की छूट मिलेगी। ये फैसला मंगलवार को साय कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। वहीं, प्रदेश के 47 हजार 90 आवासहीन परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

इसके साथ ही प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्रदेश में पूरी तरह से लागू कर दिया गया है। वहीं, लोगों की समस्याओं को दूर करने अलग से 'सुशासन एवं अभिसरण विभाग' बनाया गया है।

साय कैबिनेट की बैठक में एक अलग विभाग के गठन का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। विभाग का नाम होगा 'सुशासन एवं अभिसरण विभाग' इस विभाग का मकसद प्रदेश में सरकार की जनकल्याण से जुड़ी नीतियों का सफल क्रियान्वयन, सुशासन और जनसमस्याओं का समाधान कराना होगा। इस विभाग में ई-समीक्षा, ई-लोकसेवा गारंटी डिजिटल सचिवालय को शामिल किए जाने को लेकर कैबिनेट की ओर से वर्क अलोकेशन (कार्य आवंटन) के नियम में सुधार के फॉर्मेट को मंजूरी दी गई है।

पहले ये सभी शाखाएं सामान्य प्रशासन विभाग में थीं। नवा रायपुर में बेघर और गरीब परिवारों को घर दिलाने के लिए रजिस्ट्रेशन की तारीख तीन साल यानी 31 मार्च 2024 से 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नवा रायपुर में आवास बनाए जा रहे हैं। इसमें हितग्राहियों को कम से कम कीमत पर घर देने के लिए पहले से जारी निर्देशों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सभी कॉन्ट्रैक्ट इस महीने के अंत तक रद्द करने का फैसला भी लिया गया है।

कोल स्कैम केस: कारोबारी दीपेश टांक की गिरफ्तारी पर भी जल्द आएगा फैसला

## निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका खारिज

### जेल से बाहर आना मुश्किल

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ की निलंबित IAS रानू साहू की जमानत याचिका खारिज हो गई है। दरअसल, मंगलवार को रानू की जमानत याचिका पर रायपुर की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई जिसके बाद जज ने बुधवार तक के लिए फैसला सुरक्षित रखा था। आज कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पहले सोमवार को कोल स्कैम केस जिसकी इन्वेस्टिगेशन श्वष्ठ कर रही थी, उसमें दीपेश टांक और रानू साहू को 7 अगस्त तक अंतरिम जमानत मिली है। लेकिन रानू साहू कोल स्कैम केस में जेल में बंद हैं। ऐसे में जेल से बाहर आना फिलहाल मुश्किल है।

**दीपेश टांक के मामले में आएगा फैसला:** सोमवार को स्पेशल कोर्ट में EOW ने दीपेश टांक को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करने के लिए आवेदन लगाया था। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने ऑर्डर रिजर्व रखा है। इस मामले में आज कोर्ट फैसला सुना सकता है।

**दीपेश टांक की जेल से हुई रिहाई:** श्वष्ठ के केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद रायपुर सेंट्रल जेल में बंद दीपेश टांक की मंगलवार रात को रिहाई हो गई है। कोयला घोटाले में सुप्रीम कोर्ट से दीपेश टांक को जमानत मिलने के बाद अब EOW दीपेश को हिरासत में लेना चाहती है। इस बीच मंगलवार को दीपेश की जमानत फर्निश हो गई और वह जेल से बाहर आ गया । जबकि EOW की टीम उसे घेरने के लिए बाहर खड़ी थी। EOW की टीम को पता ही नहीं चला और दीपेश चला गया। उसे हिरासत पर देना है या नहीं इस पर फैसला आज होगा। अगर कोर्ट से EOW के पक्ष फैसला आता है तो दीपेश की गिरफ्तारी हो सकती है।

**बचाव पक्ष बोला- परेशान करने के लिए ऐसा किया जा रहा:** दीपेश टांक के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि, EOW ने अभी तक बाकी लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन दीपेश को गिरफ्तार नहीं किया था। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उन्हें परेशान करने और उच्च अधिकारियों को खुश करने के लिए EOW गिरफ्तार करना चाहती है। दीपेश टांक को परेशान करने की नीयत से इस तरह की चीजें की जा रही हैं। जबकि दीपेश का केस से कोई लेना-देना नहीं है।

**ED और EOW दोनों के केस अलग:** EOW के वकील सौरभ पांडेय ने कहा कि, कोल स्कैम केस में श्वष्ठ इन्वेस्टिगेशन कर रही थी। उस मामले में दीपेश टांक और रानू साहू को 7 अगस्त तक अंतरिम जमानत मिली है। लेकिन श्वह्रङ्ख भी अलग पूछताछ करना चाहती है।

## सांप के काटने से 2 लोगों की मौत

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के जीपीएम जिले में दो अलग-अलग गांवों में सांप के काटने से 2 लोगों की मौत हो गई। विजय अगरिया और गर्भवती रोशनी भरिया आधी रात को अपने-अपने घर पर सो रहे थे, तभी सांप ने काट लिया। एक घटना गौरेला थाना क्षेत्र के भस्कुरा गांव और दूसरी पेंड्रा थाना क्षेत्र के कुड़कई गांव की है।जानकारी के मुताबिक, सर्पदंश के बाद दोनों को परिजन झाड़ फूंक कराने के लिए बैगा के पास ले गए। इसके बाद जड़ी-बूटियों के माध्यम से इलाज किया जा रहा था। जब कोई राहत नहीं मिली, तो दोनों को अस्पताल ले गए। जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, पेंड्रा थाना क्षेत्र के कुड़कई निवासी रोशनी भरिया 5 महीने की गर्भ से थी। सर्पदंश के कारण उसकी और अजन्मे बच्चे की भी मौत हो गई। यदि झाड़-फूंक की बजाय समय पर अस्पताल ले जाते, जान बच सकती थी।

## मुकेश अंबानी ने बांके बिहारी को भेजा बेटे की शादी का पहला न्योता, 12 जुलाई को होगी ग्रैंड वेडिंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी ने अपने पुत्र अनंत की शादी का पहला निमंत्रण मंगलवार को वृन्दावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी को भेजा और उनसे पुत्र एवं पुत्रवधू को आशीर्वाद देने की प्रार्थना की। उद्योगपति के प्रतिनिधियों ने मंदिर के सेवायत पुजारी आचार्य गोपी गोस्वामी एवं श्रीनाथ गोस्वामी से भेंट कर ठाकुरजी को निमंत्रण पत्र दिया। गोस्वामी ने बताया कि प्रतिनिधियों ने पूर्ण वैदिक परंपरा के अनुसार मंत्रोच्चार के बीच मुकेश अंबानी द्वारा भेजा गया निमंत्रण ठाकुरजी के चरणों में रखा और उनसे अंबानी परिवार पर कृपा बनाए रखने तथा पुत्र एवं पुत्रवधू को आशीर्वाद देने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा उद्योगपति ने बेटे की शादी का निमंत्रण बांके बिहारी के साथ-साथ स्वामी हरिदासीय संप्रदाय से जुड़े टटिया स्थान आश्रम को भी भेजा है। गोस्वामी ने बताया कि वह ठाकुरजी की ओर से अंबानी के पुत्र की शादी में शामिल होने अपने अनुज श्रीनाथ गोस्वामी के साथ मुंबई जाएंगे और विवाह के अवसर पर अंबानी परिवार को ठाकुर जी के आशीर्वाद स्वरूप प्रसादी व अंगवस्त्र भेंट करेंगे। मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी 12 जुलाई को मुंबई में राधिका मर्चेंट के साथ होगी।

## एमपी के मंत्री प्रहलाद पटेल की पीआरओ पूजा थापक ने किया सुसाइड

**भोपाल (एजेंसी)।** मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल की ( जनसम्पर्क अधिकारी) और म प्र जनसम्पर्क विभाग की असिस्टेंट डायरेक्टर पूजा थापक ने आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और शव को ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स, भोपाल) भेज दिया है। गोविंदपुरा पुलिस के मुताबिक पूजा थापक मप्र जनसम्पर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थीं और वर्तमान में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल के यहां महिला जनसम्पर्क अधिकारी कर पद पर पदस्थ थीं। पुलिस की मानें तो मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात पूजा ने अपने साकेत नगर स्थित आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक घटना के पहले पूजा का अपने पति से विवाद भी हुआ था। हालांकि पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस गृहकलह समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

## केजरीवाल को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका, विधायक और पूर्व मंत्री भाजपा में शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक करतार सिंह तंवर और पूर्व विधायक राज कुमार आनंद मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले आनंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में मंत्री थे। आबकारी मामले में आप संयोजक की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। पटेल नगर सीट से पूर्व विधायक आनंद के साथ उनकी पत्नी वीणा आनंद भी भाजपा में शामिल हुईं। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की मौजूदगी में इन नेताओं ने केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी का दामन थामा।

### ऑस्ट्रिया में मोदी का सेरेमोनियल वेलकम,चांसलर बोले-

# भारत की बात पूरी दुनिया सुनती है

**ऑस्ट्रिया (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री मोदी अपने 2 दिवसीय दौरे पर ऑस्ट्रिया में हैं। रात में गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत के बाद मोदी सुबह ऑस्ट्रिया के पीएम आवास पहुंचे। यहां उनका सेरेमोनियल वेलकम हुआ। मोदी ने विजिटर्स बुक में दस्तखत किए। इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर उनके साथ रहे। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जिसकी आवाज पूरी दुनिया में सुनी जाती है। भारत का भरोसेमंद पार्टनर होने के साथ ऑस्ट्रिया भी यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण हल चाहता है।% वहीं, मोदी ने इस कहा कि यूक्रेन संकट का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। उन्होंने आतंकवाद की भी कड़ी निंदा की।

पीएम मोदी ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा- मुझे खुशी है कि तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। मेरी ये यात्रा ऐतिहासिक और विशेष दोनों है।

41 साल के बाद किसी भारतीय पीएम ने यहां का दौरा किया। ये सुखद संयोग है कि यात्रा उस समय हो रही है जब हमारे आपसी संबंधों को 75 साल पूरे हुए। इससे पहले ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कार्ल नेहमर ने कहा कि भारत ब्रिक्स का फाउंडिंग मेंबर है। ग्लोबल साऊथ का प्रमुख सदस्य है।

**ऑस्ट्रिया में मोदी की बड़ी बातें:** मैंने पहले भी कहा है कि ये युद्ध का समय नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता है। मासूमों की जान का नुकसान स्वीकार्य नहीं है। भारत और ऑस्ट्रिया शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर देते हैं। इसके लिए हम हर सहयोग देंगे।

हमने क्लाइमेट चेंज और आतंकवाद पर भी अपने विचार साझा किए हैं। हम दोनों आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं। हम ह्रस्ष्ट और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बदलाव के लिए सहमत हैं। मोदी ने ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वान डर बेले से भी मुलाकात की। कुछ ही देर में वे वियना में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। मोदी 41 साल बाद ऑस्ट्रिया जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं।

इससे पहले इंदिरा गांधी 1983 में ऑस्ट्रिया दौरे पर गई थीं। पीएम मोदी और चांसलर कार्ल नेहमर भारत-ऑस्ट्रिया बिजनैस मीटिंग में शामिल हुए । दोनों के अलावा इस मीटिंग में भारत और ऑस्ट्रिया के 40 सीईओ ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी भारतीय समयानुसार देर रात एयरपोर्ट से होटल रिट्ज-कार्लटन पहुंचे तो वहां उन्होंने भारतवंशियों से मुलाकात की। यहां उनके स्वागत में वंदे मातरम की धुन बजाई गई। इसके

बाद प्रधानमंत्री मोदी स्टेट डिनर के लिए ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर से मिलने पहुंचे। नेहमर ने मोदी के साथ सेल्फी ली।

## केजरीवाल बोले- जमानत रद्द करना न्याय की विफलता के समान

नई दिल्ली। दल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार (10 जुलाई) को हाईकोर्ट में दाखिल जवाब में कहा कि मेरी जमानत रद्द करना न्याय की विफलता के समान है। मैं विच हंट का शिकार हुआ हूं। दरअसल, जानबूझकर किसी व्यक्ति को परेशान करना विच हंट का शिकार होना कहलाता है। यह राजनीतिक विरोधी भी हो सकता है। हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में केजरीवाल ने कहा- ईडी कस्टडी के दौरान जांच अधिकारी ने कोई खास इन्टेरोगेशन (पूछताछ) नहीं किया। एक राजनीतिक विरोधी को परेशान और अपमानित करने के लिए अवैध रूप से गिरफ्तारी की गई है।मामले को लेकर जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने अब श्वष्ठ से जवाब दाखिल करने को कहा है। केस की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी। केजरीवाल पर ईडी के अलावा सीबीआई का केस भी चल रहा है। शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई ने उन्हें 26 जून को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर श्वष्ठ ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 20 जून को ट्रायल कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई थी। इसके खिलाफ ईडी ने हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने 25 जून को ट्रायल कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। केजरीवाल ने कहा कि ईडी की दलीलें कानून के हिसाब से ठीक नहीं थीं। ईडी की दलीलें असंवेदनशीलता के रवैये को दर्शाती हैं। पीएमएलए की धारा 3 के तहत मेरे खिलाफ कोई केस नहीं बनता है। और मेरे जीवन और स्वतंत्रता को झूठे और दुर्भावनापूर्ण मामले से बचाया जाना चाहिए। केजरीवाल ने कहा- ईडी ने अन्य सह आरोपियों पर दबाव बनाया और उनसे ऐसे बयान दिलवाए, जिससे केस में ईडी को फायदा हुआ। ट्रायल कोर्ट का जमानत ऑर्डर न केवल तर्कपूर्ण था, बल्कि यह दर्शाता है कि दोनों पक्षों की दलीलों पर विवेक के आधार पर फैसला सुनाया गया था। ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह साबित करे कि आप को साउथ ग्रुप से रिश्वत मिली है। इस रिश्वत का गोवा चुनाव में इस्तेमाल तो दूर की बात है।

आप के पास एक भी रुपया नहीं मिला। इस

## 7 राज्यों में उपचुनाव, 13 विधानसभा सीटों पर 63.23 प्रतिशत वोटिंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद बुधवार (10 जुलाई) को 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए। वोटिंग सुबह 7 बजे शुरू हुई, जो शाम 6 बजे तक चली। छिटपुट घटनाओं के अलावा कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण रहा। नतीजे 13 जुलाई को आएंगे। पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर में भाजपा-टीमएसी समर्थक बूथ पर गड़बड़ी का आरोप लगाकर एक-दूसरे से भिड़ गए। पुलिस ने मामला शांत कराया। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजुमदार ने आरोप लगाया कि टीएमसी के गुंडे चौराहे पर खड़े होकर वोटिंग करने जा रहे लोगों को रोक रहे हैं। उत्तराखंड की मंगलौर सीट पर झड़प के बाद पुलिस बल तैनात करना पड़ा। बिहार में पूर्णिया की रुपौली सीट पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। पुलिस की माने तो बूथ के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने हटने को कहा तो बहस शुरू हो गई। इसके बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। एक एसएचओ और सिपाही घायल हो गए। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 4 सीटों- रायगंज, राणाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला पर

उपचुनाव हो रहे हैं। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और मंगलौर, पंजाब में जालंधर पश्चिम सीट के लिए वोटिंग हुई। हिमाचल में देहरा, हमीरपुर और नालागढ़, बिहार में रूपौली, तमिलनाडु में विक्रवंडी, मध्य प्रदेश में अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव के लिए वोट डाले गए। इन 13 सीटों में से बंगाल की 3 सीटें पिछली बार भाजपा ने जीती थी। अन्य 10 में से कांग्रेस ने 2, अन्य पार्टियों ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 10 सीटें विधायकों के इस्तीफे और 3 सीट मौजूदा विधायक के निधन की वजह से खाली हुई थीं।

## यूपी के उन्नाव में सड़क हादसा, 18 की मौत

**उन्नाव (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बुधवार सुबह 5.15 बजे डबल डेकर बस और टैंकर की टक्कर हो गई। हादसे में बस सवार 18 यात्रियों की मौत हो गई। 19 घायल हैं। मृतकों में 14 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। बस बिहार के सीवान से दिल्ली जा रही थी। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बांगरमऊ कोतवाली के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस की ड्राइवर साइड की बॉडी पूरी तरह अलग हो गई। यात्री बाहर गिर गए। उनकी वहीं मौत हो गई। हादसे के वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि सड़क पर लाशें बिखरी पड़ी हैं। लाशों को देखकर एक पुलिसकर्मी बेहोश हो गया। पुलिस ने बताया कि दूध के टैंकर को ओवरटेक करने के दौरान बस बेकाबू होकर टैंकर को टक्कर मारते हुई पलट गई।

## मोदी सरकार ने अपने विनाशकारी नीति से विनिर्माण क्षेत्र को तहस नहस कर दिया-कांग्रेस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने ''विनाशकारी नीति निर्धारण से देश के विनिर्माण क्षेत्र को तहस नहस कर दिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने सरकार के आर्थिक कदमों को लेकर लगातार आगाह किया, लेकिन सरकार ने इसे अनसुना कर दिया और सूक्ष्म, लघु, मध्यम (एमएसएमई) और असंगठित व्यवसायों पर हमला किया। रमेश ने एक बयान में कहा, ''क्रेडिट रेटिंग कंपनी 'इंडिया रेटिंग्स की एक नई रिपोर्ट ने उस बात की पुष्टि की है जिसे लेकर कांग्रेस लगातार आगाह करती आ रही है कि नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री द्वारा भारत के एमएसएमई और असंगठित व्यवसायों पर सुनियोजित ढंग से किया गया हमला एक आर्थिक तबाही है। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार का नीति निर्माण आम तौर पर असंगठित क्षेत्र को नज़रअंदाज़ करने वाला रहा है। रमेश के मुताबिक, ''नोटबंदी, जटिल कर संरचना और बिना तैयारी के लॉकडाउन लगाने रूपी तीन झटके विशेष रूप से इसके विनाशकारी नीति निर्धारण की ओर ध्यान दिलाते हैं। उन्होंने दावा किया कि इन तीन झटकों के कारण असंगठित क्षेत्र के 63 लाख उद्यम बंद हुए, जिससे 1.6 करोड़ नौकरियां चली गईं।

## सिक्किम के एकमात्र विपक्षी विधायक ने पार्टी छोड़ी

**गंगटोक (एजेंसी)।** सिक्किम में अब एक भी विपक्षी विधायक नहीं रह गया है। विपक्षी दल सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के इकलौते विधायक तेनजिंग नोरबू लाम्था सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा में शामिल हो गए हैं। एसकेएम के पास अभी 30 विधायक हैं। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।इसी साल 19 अप्रैल को सिक्किम में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हुई थी। 2 जून को आए नतीजे में एसकेएम ने 32 में से 31 सीटें जीती थीं।

25 साल सत्ता में रही सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को एक सीट मिली थी। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने दो सीटों से जीत हासिल की थी, जिसमें से उन्होंने एक सीट छोड़ दी। तमांग की पत्नी कृष्णा कुमारी राय ने भी चुनाव जीता था, उन्होंने भी

अपनी सीट छोड़ दी है। 32 सीटों वाली विधानसभा में अब 30 सत्ताधारी पार्टी के विधायक हैं। सीएम तमांग ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर लिखा, मुझे आज अपने सरकारी आवास मिंटोकगांग पर 23-सियारी विधानसभा सीट से विधायक तेनजिंग नोरबू लाम्था से मिलकर खुशी हुई। वे अब आधिकारिक तौर पर हमारे एसकेएम परिवार में शामिल हो गए हैं।तमांग ने बताया कि लाम्था ने अपने विधानसभा क्षेत्र के हितों से जुड़ी चिंताएं जाहिर की थीं। उन्होंने कहा कि एक व्यापक विकास योजना के हिस्से के रूप में अब इस निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं को हल किया जाएगा। हालांकि एसकेएम में शामिल होने के बाद अब तक लाम्था की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

## भारत-ऑस्ट्रिया की दोस्ती मजबूत है; भविष्य में और भी मजबूत होगी - पीएम मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए बुधवार को ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ अपनी आधिकारिक बैठक से पहले कहा कि भारत-ऑस्ट्रिया दोस्ती मजबूत है और आने वाले समय में यह और मजबूत होगी। मोदी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार शाम मास्को से यहां पहुंचे। विगत 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर शालेनबर्ग ने हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया।

मोदी ने मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम के दौरान नेहमर से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने वियना में दोनों नेताओं की तस्वीरों के साथ 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर! ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने एक निजी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी की। दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है। द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी क्षमता को साकार करने पर चर्चा आगे होगी। जायसवाल की ओर से साझा की गई तस्वीरों में से एक में मोदी नेहमर को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं

## कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर धांधली की शिकायत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण से मुआवजे के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और नौ अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी, जमींदार देवराज और छह अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में डिप्टी कमिश्नर, तहसीलदार, डिप्टी रजिस्ट्रार और एमयूडीए अधिकारियों के भी शामिल होने का आरोप लगाया गया है। पुलिस शिकायत के अलावा कृष्णा ने कर्नाटक के राज्यपाल, राज्य के मुख्य सचिव और राजस्व विभाग के प्रधान सचिव को भी पत्र लिखकर अनियमितताओं की जांच की मांग की है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और रिश्तेदारों ने एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर 50:50 साइट वितरण योजना के तहत महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए हैं। ये योजना कर्नाटक में पिछली भाजपा और वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान लागू की गई थी।

भूमि आवंटन में विवाद इस कारण सुर्खियों में है क्योंकि कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया की पत्नी 2021 में एमयूडीए की इस स्कीम में एक लाभार्थी थीं। दरअसल इस स्कीम के तहत, मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण किसी भूमि पर आवासीय लेआउट विकसित करने के लिए भूमि अधिग्रहण कर सकेगी। अधिग्रहण के बदले लैंड ओनर्स को 50 प्रतिशत जमीन किसी विकसित लोकेशन पर दिया जाएगा। लेकिन इस स्कीम पर बढ़ते विवाद के चलते 2023 में शहरी विकास मंत्री बैराठी सुरेश ने वापस ले लिया था।

## नीतीश ने मरीन ड्राइव के तीसरे फेज का किया उद्घाटन, बोले- लोगों को आने-जाने में होगी सुविधा

**पटना (एजेंसी)।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज यानी बुधवार को पटना मरीन ड्राइव के तीसरे फेज का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधानसभा के स्पीकर नंदकिशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद समेत वरीय अधिकारीगण मौजूद रहे। इस दौरान सीएम नीतीश ने कहा कि इसकी मदद से अलग-अलग इलाकों से लोगों को आने-जाने में बहुत सुविधा होगी। सीएम ने कहा कि निर्माण पूरा होने के बाद लोगों के लिए पटना आना-जाना बहुत मददगार होगा। इससे लोगों का समय बचेगा और उत्तर दिशा से आने वालों के लिए भी यह सुविधाजनक होगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री और राज्य सरकार में सड़क एवं निर्माण मंत्री विजय सिन्हा ने मरीन ड्राइव पटना के विस्तार पर बताया कि ये बिहार को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की तरफ से सबसे बड़ा उपहार है। मरीन ड्राइव की मदद से पटना में एक जगह से दूसरी जगह जाना सुगम होगा। लोगों का समय बचेगा। बता दें कि पटना के गायघाट से कंगन घाट तक मरीन ड्राइव का विस्तार हो रहा है। सीएम नीतीश के इस ड्रीम प्रोजेक्ट में दीघा से दीदारगंज के बीच 20.5 किलोमीटर जेपी गंगा पथ का निर्माण होना है। इस पथ में अब तक दीघा से गायघाट तक 12.5 किलोमीटर पर आवागमन हो रहा है और तीसरे फेज को जोड़ लें तो 17 किलोमीटर का जेपी गंगा पथ बनकर तैयार हो गया है।

## नोवाक जोकोविच ने विंबलडन सेमीफाइनल में की एंट्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कूल्हे की चोट के कारण बुधवार को एलेक्स डि मिनोर के हटने पर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय डि मनोर ने सेंटर कोर्ट पर जोकोविच के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले से घंटों पहले टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की।

डि मिनोर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''बेशक यह वह घोषणा नहीं है जो मैं करना चाहता था। मैं टूट चुका हूं।'' उन्होंने बताया कि सोमवार को चौथे दौर में आर्थर फिल्स पर 6-2, 6-4, 4-6, 6-3 की जीत के दौरान उन्होंने 'क्रैक' की आवाज सुनी थी। जब वह मैच समाप्त हुआ तो डि मिनोर सावधानी से नेट की ओर गए लेकिन बाद में मीडिया से बात करते समय उन्होंने स्थिति की गंभीरता को कम करके आंका। इस वॉकओवर से जोकोविच ने 13वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से उन्होंने पुरुष एकल में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। दूसरे वरीयता प्राप्त जोकोविच ने पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात विंबलडन में जीते हैं। फाइनल में जगह बनाने के लिए जोकोविच का सामना शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज और लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

## सुनील गावस्कर ने डेब्यू मैच से जमाई थी अपनी धाक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील मनोहर गावस्कर आज यानी की 10 जुलाई को अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। सुनील गावस्कर लिटिल मास्टर के नाम से भी जाने जाते हैं। उनका नाम इस दुनिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। बता दें कि जब उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा था, तो टेस्ट में वेस्टइंडीज की पेस बैटरी की तूती बोलती थी। वहीं अपने समय में वह बिना हेलमेट के बैटिंग किया करते थे। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... बॉम्बे (मुंबई) में 10 जुलाई 1949 को सुनील गावस्कर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम मीनल गावस्कर और मां का नाम मनोहर गावस्कर है। साल 1974 में उन्होंने मार्शनील गावस्कर से शादी रचाई थी। सुनील गावस्कर का एक बेटा है, जिसका नाम रोहन गावस्कर है। रोहन भी अपने पिता की तरह भारतीय टीम में रह चुके हैं, लेकिन रोहन को अपने पिता की तरह कामयाबी नहीं मिली।

साल 1971 में सुनीव गावस्कर ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत की थी। साल 1971 में गावस्कर ने वेस्टइंडीज दौरे पर पोर्ट ऑफ स्पेन में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। गावस्कर के लिए यह सीरीज काफी यादगार रही थी। अपने करियर की पहली ही सीरीज में उन्होंने वेस्टइंडीज के खूंखार गेंदबाजों की क्लास लगा दी थी।

## संन्यास के बाद सुनील छेत्री का बयान, कहा- भारत को मुकाम तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय फुटबॉल के महान खिलाड़ी सुनील छेत्री ने भले ही अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया हो लेकिन वह टीम के साथ जुड़े रहेंगे और उनका कहना है कि वह देश को मुकाम पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ट्रॉफी दौरे को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में मौजूद छेत्री ने कहा कि भारत एक दिन ऐसे मुकाम पर पहुंचेगा जिसका देश के लोगों ने सपना देखा है। कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले छेत्री ने कहा, ''मैंने अपने करियर में कई उतार चढ़ाव देखे हैं लेकिन एक चीज बरकरार रहेगी कि एक दिन दिन हम उस स्तर पर पहुंचेंगे जिसका हम सभी ने सपना देखा है।'' छेत्री इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलना जारी रखेंगे क्योंकि बेंगलुरु एफसी के साथ उनका अनुबंध अगले साल तक है। उन्होंने हालांकि अभी तक फैसला नहीं किया है कि वह कब तक घरेलू फुटबॉल में खेलते रहेंगे। छेत्री अगले महीने 40 साल के हो जायेंगे। 2022 में बेंगलुरु एफसी की अगुआई करते हुए डूरंड कप खिताब दिलाने वाले छेत्री ने कहा, ''मैं अब ज्यादा कुछ नहीं कर सकता हूं क्योंकि मैं संन्यास ले चुका हूं लेकिन मैं भारत को उस मुकाम तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। हमें इसके लिए काफी काम करना होगा, लेकिन हम उस मुकाम तक जरूर पहुंचेंगे जहां हम पहुंचना चाहते हैं।'' छेत्री के 19 साल लंबे करियर के दौरान भारत एशिया में शीर्ष 20 में रहा है लेकिन शीर्ष 10 में नहीं पहुंच सका।

# ऋतुराज गायकवाड़ की बड़ी छलांग, अभिषेक शर्मा की धमाकेदार एंट्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी ने बुधवार को टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की है। बल्लेबाजों की सूची में ऋतुराज गायकवाड़ 13 स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में पहुंच गए हैं। वह 662 रेटिंग अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 77 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 47 गेंदों का सामना करने के बाद 11 चौके और एक छक्का मारा था। शतकवीर अभिषेक शर्मा ने रैंकिंग में धमाकेदार एंट्री की है। वह 75वें पायदान पर आ गए हैं। इंटरनेशनल डेब्यू मैच में शून्य पर पवेलियन लौटने वाले अभिषेक ने इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे दूसरे टी20 में तूफानी शतक ठोका था। उन्होंने 47 गेंदों में 7 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 100 रन बनाए। वह सबसे कम पारियों में टी20 इंटरनेशनल शतक लगाने वाले भारतीय हैं। उन्होंने गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। इसके साथ ही रिंकू सिंह को भी फायदा हुआ है। वह चार ऊपर चढ़कर 39वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 22 गेंदों में 48 रन बनाए थे, जिसमें दो चौके और पांच छक्के शामिल हैं। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने दो आक्रामक कैमियों की बदौलत 25 स्थान की छलांग लगाई। वह 96वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड (844) टॉप पर काबिज हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (821) दूसरे नंबर पर हैं।

## गौतम गंभीर के बाद अभिषेक नायर भी हो सकते हैं टीम इंडिया में शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर बने हैं जिसके बाद कोचिंग स्टाफ के बाकी पदों के लिए खोज भी तेज हो गई है। वहीं बीसीसीआई को अब बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग कोच की खोज है। लेकिन क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने सहायक कोच का चयन कर दिया है।

केकेआर नाइट राइडर्स के सहायक कोच अभिषेक नायर भारतीय टीम के नए सहायक कोच बनने वाले हैं। जबकि पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप फील्डिंग कोच बने रह सकते हैं। 40 वर्षीय अभिषेक नायर ने भारत के लिए तीन वनडे मैच खेले हैं। साथ ही वह गौतम गंभीर के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं और उनके बहुत करीबी माने जाते हैं। नायर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के भी करीबी हैं। वह टीम में सहायक कोच के रोल में रहेंगे जबकि गौतम गंभीर बल्लेबाजी कोच का पद भी खुद ही संभालेंगे।

इसके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक फील्डिंग कोच टी दिलीप को फिर से इस पद के लिए चुना जा सकता है। दिलीप फील्डिंग मेडल को लेकर बहुत ज्यादा चर्चा में रहे थे। बीते सालों में टीम की फील्डिंग का स्तर काफी ऊंचा है। जय शाह ने एक्स पर दिलीप को भी उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया था। इसके बावजूद दिलीप की वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

## गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद हरभजन सिंह ने शेयर किया पोस्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गौतम गंभीर भारत के 25वें मुख्य कोच बने हैं। इससे पहले वह आईपीएल में दो टीम के साथ काम कर चुके हैं। कोच बनने के बाद दुनिया भर के तमाम क्रिकेटर्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। हरभजन सिंह ने भी उन्हें इसके लिए बधाई दी है। भज्जी ने कहा है कि आपका एग्रेशन खिलाड़ियों को उत्कृष्टता के मार्ग पर ले जाएगा। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के हेड कोच के तौर पर गौतम गंभीर के नाम की घोषणा कर दी है। गौतम गंभीर भारत के 25वें मुख्य कोच बने हैं। इससे पहले वह आईपीएल में दो टीम के साथ काम कर चुके हैं। कोच बनने के बाद दुनिया भर के तमाम क्रिकेटर्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। हरभजन सिंह ने भी उन्हें इसके लिए बधाई दी है। भज्जी ने कहा है कि आपका एग्रेशन खिलाड़ियों को उत्कृष्टता के मार्ग पर ले जाएगा। हरभजन सिंह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि, भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में नई पारी के लिए गौतम गंभीर को बधाई। मुझे यकीन है कि आपका अनुभव, ऊर्जा, जुनून, एग्रेशन और प्रतिभा टीम को अच्छे मार्ग पर ले जाएगी।

## जय शाह ने बताया गौतम गंभीर को हेड कोच क्यों चुना?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टीम इंडिया को श्रीलंका के भारत दौरे से पहला नया हेड कोच मिल गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर को नया हेड कोच की। बीसीसीआई के आधिकारिक ऐलान के बाद गौतम गंभीर ने इस जिम्मेदारी के लिए शुक्रिया कहा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने गंभीर के साथ तस्वीर शेयर करने उनके कोच बनने के पीछे की वजह बताई। जय शाह ने गंभीर के साथ आईपीएल 2024 के फाइनल की तस्वीर की है। इस तस्वीर में जय शाह गंभीर से मिलते हुए नजर आ रहे हैं। गंभीर केकेआर की जर्सी में दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के साथ जय शाह ने गंभीर के लिए संदेश भी लिखा। गंभीर आईपीएल 2024 का खिताब जीतने वाली केकेआर के मेंटॉर थे। जय शाह ने एक्स पर लिखा कि, मुझे गौतम गंभीर का टीम इंडिया के नए हेड कोच के तौर पर स्वागत करके बहुत खुशी हो रही है। आज के समय का क्रिकेट बहुत तेजी से बदला है, गंभीर ने इस बदलाव को करीब से देखा है। उन्होंने अपने करियर के कई रोल में नजर आए और सभी शानदार काम किया। मुझे यकीन है कि गौतम गंभीर टीम इंडिया को आगे ले जाने के लिए सही इंसान हैं। टीम इंडिया के लिए उनका विजन और उनका अनुभव उन्हें इस पद के लिए सही बनाता है। बीसीसीआई इस नए सफर पर अपना पूरा समर्थन देता है। बीसीसीआई की जारी प्रेस रिलीज में भी जय शाह ने गंभीर को चुनने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा कि, गंभीर एक आक्रामक प्रतिस्पर्धी और शानदार रणनीतिकार रहे हैं। हमारा मानना है कि वह मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका में भी यही गुण लाएंगे।

# की विश्व कप में शर्मनाक हार के बाद पीसीओ का बड़ा एक्शन!

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 से शर्मनाक तरीके से बाहर होने के बाद पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) की चयन समिति से वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को कथित तौर पर बर्खास्त कर दिया गया है। 44 वर्षीय रज्जाक को हाल ही में पुरुष और महिला दोनों चयन समितियों का सदस्य नियुक्त किया गया था, लेकिन अब वे इन भूमिकाओं में नहीं रहेंगे। हालांकि, ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन इस सप्ताह के अंत में इसकी घोषणा की जाएगी। वहाब का बाहर होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज से पहले उनके मुख्य चयनकर्ता का पद छीन लिया गया था, जब बोर्ड ने पद को भंग करने का फैसला किया था। विशेष रूप से, वहाब मोहसिन नकवी के मंत्रिमंडल में कार्यवाहक खेल मंत्री के रूप में शामिल थे, जब उन्हें पंजाब का कार्यवाहक मुख्यमंत्री नामित किया गया था। ऐसा माना जाता है कि वहाब और नकवी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध थे और इसलिए पूर्व मुख्य चयनकर्ता पद के विघटन के बावजूद चयन समिति में अपनी स्थिति मजबूत करने में सक्षम था। माना जाता है कि नकवी, जो वर्तमान में पीसीबी के मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं, ने मंगलवार, 9 जुलाई को लाहौर में पाकिस्तान के पुरुष व्हाइट-बॉल हेड कोच गैरी कर्स्टन, रेड-बॉल हेड कोच जेसन गिलेस्पी और सहायक कोच अजहर महमूद की बैठक के समापन के बाद यह साहसिक निर्णय लिया। वहाब और रज्जाक के भविष्य पर निर्णय लेने के अलावा, बैठक में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण विभागों में समग्र मानकों को बेहतर बनाने के लिए रणनीति तैयार करने पर चर्चा हुई। बैठक में प्रतिभागियों ने फिटनेस मानक बढ़ाने पर भी सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की। गौरतलब है कि रज्जाक और वहाब के बाहर होने से पुरुष चयन समिति का आकार घटकर पांच सदस्यों का रह गया है जिसमें मोहम्मद यूसुफ, असद शफीक, बिलाल अफजल, एक डेटा विश्लेषक, कप्तान और मुख्य कोच शामिल हैं। पाकिस्तान की अगली अंतरराष्ट्रीय सीरीज अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला होगी।

# रोहित शर्मा को लेकर कुलदीप यादव ने किया बड़ा खुलासा, कहा- वो मेरे बड़े भाई की तरह.

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2024 विनिंग टीम का हिस्सा रहे कुलदीप यादव ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उनकी कमबैक स्टोरी भी काफी इंस्पायरिंग है, कुलदीप यादव एक समय टीम इंडिया प्लान से आउट हो चुके थे। लेकिन उन्होंने अपनी गेंदबाजी में कुछ बदलाव किए और टीम इंडिया में बेहतरीन वापसी की। वहीं अपने करियर में नई उड़ान का श्रेय उन्होंने रोहित शर्मा को दिया है। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के बारे में कई खुलासे भी किए हैं। दरअसल, कुलदीप से रोहित शर्मा के साथ कमेंट्री पर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, वो हमेशा से बहुत सपोर्टिव रहे हैं, और उनको हमेशा से मेरी स्किल्स में काफी ज्यादा विश्वास रहा है। एक समय था, जब मैं अपनी खुद की स्किल्स को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं था। वो मुझसे बदलाव को लेकर बता करते रहते थे। 2019 के दौरान उन्होंने कहा कि मैं गेंदबाजी में क्या बदलाव करके बेहतर बन सकता हूं। रोहित भाई को लगता था कि मैं कुछ क्षेत्रों में थोड़े बदलाव कर लूं तो मैं बल्लेबाजों के लिए ज्यादा मुश्किलें पैदा कर सकता हूं। जब मैं अपनी इंजरी से वापस आया, तो मुझसे लगातार बदलाव की बात करते रहते थे। जो मैंने अपनी गेंदबाजी में किए भी। वो बड़े भाई जैसे हैं, और मुझसे बहुत प्यार करते हैं। वो काफी ज्यादा मुंहफट हैं और सीधा बताते हैं कि उन्हें मुझसे क्या चाहिए।

उनके पास मेरे लिए एक तय प्लान था कि मुझे बीत के ओवरों में आकर विकेट चटकाना है। वो मुझे अटैकिंग स्पिनर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहते थे। वहीं कुलदीप ने ये भी बताया कि जब उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के शुरुआती मैचों में प्लेइंग 11 में नहीं चुना गया तो वो इस बारे में ज्यादा सोच नहीं रहे थे। उन्होंने कहा कि, मैं शांत रहने की कोशिश कर रहा था। हमने न्यूयॉर्क में कंडीशंस देखी थीं, जहां तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिल रही थी। लेकिन मुझे पता था कि कैरेबियन धरती पर स्लो ट्रैक पर मुझे मौका मिलेगा। सुपर-8 में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से पहले मैंने ज्यादा मैच नहीं खेले थे। मेरी पहली गेंद नो-बॉल थी। लेकिन पहले ओवर के बाद मुझे लय वापस मिल गई। मैं ज्यादा नहीं सोचता हूं और चीजों को सिंपल रखने की कोशिश करता हूं।

मैहर कलेक्टर ने दिये अधिकारियों को दिशा-निर्देश

# सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें



**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर रानी बाटड ने सीएम हेल्पलाइन और जन सुनवाई के लंबित प्रकरणों सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने कहा कि सभी विभाग के अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाईन में इस हफ्ते अच्छा कार्य किया है। लगातार शिकायतो में क्रम घटता जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग ध्यान रखे की शिकायते नाट-अटेंड नही होनी चाहिए। जिस विभाग की शिकायते नाट-अटेंड पाई गई तो उस विभाग के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक दिवस का वेतन काटने की कार्यवाही होगी। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतो को संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर बंद करने के निर्देश दिए। सभी विभाग को 20 जुलाई से पहले 50 प्रतिशत शिकायतो को कम करने के निर्देश दिए। सैनिक कल्याण के अर्तगत झंडा दिवस का बकाया राशि भुगतान करने के लिए सभी विभागो को निर्देश दिये गये। बैठक में अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम मैहर विकास सिंह, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव, सीईओ प्रतिपाल बागरी, सीएमएचओ एलपी तिवारी, महिला बाल विकास सौरभ सिंह, प्रभारी डीपीओ राजेंद्र बांगरे, अश्वनी जायसवाल, सीएमओ लालजी ताम्रकार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण विकास और नगरीय विकास के द्वारा पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। लेकिन अन्य विभाग इस पर ध्यान नही दे रहे है। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से 5-5 पौधे लगाये और उनकी सुरक्षा भी करें। साथ ही विभागीय आदेशानुसार जिले के सभी विभाग को विभागीय कार्यालय के आस-पास शासकीय भूमि, सडक, तालाब, नहर के आस-पास 500 से 5000 तक पोधारोपण करने के लक्ष्य दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग को अपने मोवाइल पर वायुदूत ऐप डाउनलोड कर प्रत्येक पोधारोपण की फोटो, वीडियो और पौधे की जानकारी अपलोड करे। ताकि पौधारोपण कि गणना की जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि कलेक्टर कार्यालय का हेल्पलाईन नम्बर जारी किया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 11 से 12 बजे तक शिकायतें सुनी जाएगी। 18 जुलाई दिन गुरूवार से सभी ग्राम पंचायतो में कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें ब्लाक स्तर के अधिकारी उपस्थित रहेगें यह शिविर पंचायत भवन में आयोजित किए जाएगे। सभी अधिकारी सुशासन की अवधारणाओं के अनुरूप कार्यालय में कार्य करेंगे। साथ ही प्राप्त शिकायतो पर तत्काल कार्यवाही करेंगे, ताकि शिकायतकर्ता आवेदन लेकर घूमता नहीं रहे। विभागीय अधिकारी अपने कर्मचारियों को हर महीने विभागीय कार्य के टारगेट देंगे जिन्हें पूरा नही किए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही करे।

## सभी बैंकर्स अपना सीडी रेषियों 80 प्रतिषत तक बढायें-रानी बाटड

### कलेक्टर मैहर ने ली प्रथम जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि मैहर जिले में विकास की संभावनाओं को देखते हुए सभी बैंकर्स अपने सीडी रेशियों को औसत आधार पर नहीं लेकर बल्कि इसे 80 प्रतिशत तक पहुचायें। कलेक्टर ने शासकीय विभागों की बैंक वित्त पोषित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग अपने लक्ष्यों के अनुरूप त्रैमासिक आधार पर लक्ष्य पूर्ति के प्रयास सुनिश्चित करे। इस आशय के निर्देश कलेक्टर मैहर की अध्यक्षता में संपन्न मैहर जिले की प्रथम जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में दिये गये। इस मौके पर भारतीय रिजर्व बैंक से एस चटर्जी, मध्यांचल ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके वर्मा, एलडीएम गौतम शर्मा, जिला प्रबंधक नाबार्ड जीडी गोपेश, जिला प्रबंधक आजीविका मिशन अंजुला झा, संबंधित विभागों के अधिकारी और मैहर जिले के बैंकर्स उपस्थित थे। मैहर जिले की वित्तीय वर्ष की प्रथम जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि बैंकों का सीडी रेशियों उस जिले के विकास के पैमाने का द्योतक होता है। सभी बैंकर्स ऋण राशि में वृद्धि करते हुए सीडी रेशियों को कम से कम 80 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि मैहर जिले में सभी सेक्टरों में विकास की संभावनाओं को मद्देनजर रखते हुए एनुअल क्रेडिट प्लान बनायें। उन्होंने कहा कि जिले में प्राथमिक तौर पर दुग्ध महासंघ द्वारा 20, दुग्ध संकलन समितियों का गठन किया जा रहा है। इन समितियों में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्राथमिकता देकर जोडे ताकि इन्हें स्व-सहायता समूह को दिये जाने वाले सीएलएफ से सपोर्ट किया जा सके। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह को बीज समितियों के गठन और उद्यानिकी प्रोसेसिंग यूनिट से भी संबद्ध करें। बैंकों के सीडी रेशियों की समीक्षा के दौरान भारतीय स्टेट, यूको बैंक एवं यूनियन बैंक आफइंडिया का ऋण जमा अनुपात औसत से कम पाये जाने पर ऋण बढ़ाने के निर्देश दिये। वार्षिक ऋण योजना एवं सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में बैंकों की स्थिति संतोषप्रद पाई गई। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में विभिन्न नगरीय निकायों में लंबित प्रकरण में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विगत वर्ष लक्ष्य की पूर्ति होने पर संतोष जाहिर करते हुए पशु पालन और मत्स्य पालन विभाग में केसीसी जारी करने के कार्य में अत्यंत कमजोर प्रगति को लेकर कलेक्टर ने नाराजगी प्रकट की। अग्रणी जिला प्रबंधक ने मैहर जिले में इंडियन बैंक, भारतीय स्टेट बैंक एवं बैंक ऑफइंडिया की नवीन शाखाओं का अनुमोदन भी प्राप्त किया। नाबार्ड की ओर से उपस्थित जीडी गोपेश ने आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ऋण संभव्यता योजना तैयार करने के संबंध में प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। एलडीएम ने बताया कि मैहर में इंडियन बैंक प्रयोजित ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान (आरसेटी) का कार्य पूर्ण हो चुका है। अगले माह से इसका संचालन किया जायेगा। आजीविका मिशन के बैंक लिंकेज की समीक्षा करते हुए सभी बैंकर्स को महिला स्व-सहायता समूहों के खाते बैंक में खुलवाने के लिए शिविर भी आयोजित करने के निर्देश दिये। बैठक में जानकारी दी गई कि मैहर जिले में कुल 62 बैंक शाखायें और 39 बीसी कार्यरत है।

## राज्यमंत्री बागरी ने एमपी हाउसिंग बोर्ड की समीक्षा बैठक ली, कमिश्नर ने दी योजनाओं की जानकारी




**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने एमपी हाउसिंग बोर्ड की समीक्षा बैठक ली। भोपाल स्थित मुख्यालय पर्यावास भवन में आयोजित बैठक में मंत्री महोदया ने विभाग की पूरी कार्यप्रणाली के साथ सभी योजनाओं की जानकारी ली। हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर श्री चंद्रमौलि शुक्ला ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से मंत्री जी को विभाग और सभी प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर ने मण्डल की अधोसंरचना, मण्डल की रिक्त/अविक्रित संपत्तियों की जानकारी, मण्डल की अतिक्रमण की गई संपत्तियों की जानकारी, मण्डल द्वारा अधिग्रहण की गई संपत्तियों की जानकारी, मण्डल द्वारा निर्मित आवासीय भवनो/व्यवसायिक सम्पत्तियों, लीज रेन्ट की जानकारी, वृत्त रीवा अंतर्गत वर्तमान में चल रहे मण्डल के विकास कार्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में हाउसिंग बोर्ड की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुश्री तृप्ति श्रीवास्तव, मुख्य संपदा अधिकारी श्री डी.एस. तोमर, एडिशनल हाउसिंग कमिश्नर श्री शैलेंद्र वर्मा, श्री सुमन सिंह व एन.डी. अहिरवार सहित मंडल के प्रमुख अधिकारीगण शामिल हुए।

## शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेकर अनुसूचित जाति वर्ग स्वरोजगार स्थापित करें

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वर्ग को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्व-रोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजना एवं मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजनांतर्गत संचालित की जा रही है। हितग्राही योजनांतर्गत ऐंउेंजण्उचवदसपदमण्हवअण्पद पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति ने बताया कि जिले के शिक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे बेरोजगार युवक एवं युवतियां के स्वरोजगार के लिए म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा 02 योजनाएं प्रारंभ की गई है। प्रथम योजना संत रविदास स्वरोजगार योजना जिसमें आवेदक को सेवा अथवा व्यवसाय के लिए 1 लाख से 25 लाख रूपए तक एवं निर्माण इकाई के लिए राशि रूपए 1 लाख से 50 लाख रूपए तक का ऋण विभिन्न बैंको से उपलब्ध कराया जाता है। इस हेतु आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष तक होना आवश्यक है तथा शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना जिसमें आवेदक को राशि 10 हजार से 1 लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। आवेदक की आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष तक होना आवश्यक है। इस योजना में लाभ लेने वाले आवेदक को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का बंधन समाप्त किया गया है अर्थात साक्षर होना आवश्यक नहीं है। आवेदन एमपी ऑनलाइन की समस्त पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते है। इसके लिए आवेदक के पास आय, जाति, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड एक फोटो एवं बैंक की पास बुक होना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान



**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्रटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक यूपी बागरी कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है।

उप संचालक यूपी बागरी ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें।

उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें। इसमें गोबर की खाद नाडेप तथा वर्मी खाद का अधिक उपयोग करें। धान रोपित करने के 15 दिन बाद कम मात्रा में यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। श्री विधि से धान लगाने पर खेत में पानी भरने की जरूरत नही होती है। लेकिन खेत में नमी बनी रहे इसकी व्यवस्था करें। जिस समय धान के पौधो में वृद्धि हो रही हो उस समय खेत को 2 से 3 दिनों के लिये सूखा छोड़ देना चाहिये। इसके बाद पुनः हल्की सिंचाई करके खेत को नम करना चाहिये। इस विधि से किसान 35 से 50 धक्रटल तक धान प्राप्त कर सकते हैं। इसके संबंध में किसान कृषि विस्तार अधिकारी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग की सलाह

# फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें-उप संचालक कृषि



**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के कृषकों को सलाह दी गई है कि वह डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरकों का प्रयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि डीएपी में केवल दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होते हैं। जबकि एनपीके उर्वरक से फसलों के लिए आवश्यक सभी तीन मुख्य पोषक तत्वों नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की उपलब्धता होती हैं। इस प्रकार एनपीके उर्वरक से नत्रजन एवं स्फुर के अलावा पौधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व पोटाश की पूर्ति किसान भाई सफलतापूर्वक कर सकते हैं। अतः एनपीके उर्वरक का प्रयोग करने पर किसान भाईयों को अलग से पोटाश डालने की जरूरत नहीं पड़ती है व लागत में कमी आती है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है।

उप संचालक ने कहा है कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग लाभदायक होता है। डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके का उपयोग अधिक लाभदायी है। इससे जमीन को सल्फर की प्राप्ति होती है। सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग खेत की तैयारी के समय किया जाता है। जिससे यह फसलों में अधिक कारगर रहता है। डीएपी में उपलब्ध 18 प्रतिशत नाइट्रोजन में से केवल 15 प्रतिशत नाइट्रोजन तथा 46 प्रतिशत फास्फोरस में से 39 प्रतिशत फास्फोरस पानी में घुलकर मिट्टी को प्राप्त होता है। शेष फास्फोरस मिट्टी में जमा हो जाता है जिससे मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घटती है। उप संचालक ने बताया है कि आगामी फसल में शंकर धान एवं शंकर मक्का के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश एनपीके खाद का उपयोग अधिक लाभकारी होगा। दलहन एवं तिलहन फसलों में 80:40:30 एनपीके तथा सल्फर का उपयोग लाभदायी होगा।

उप संचालक ने बताया है कि किसान नैनो तकनीक पर आधारित खाद का भी उपयोग कर सकते हैं। फसलों के लिए 20 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त नैनो यूरिया तथा 8 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 16 प्रतिशत फास्फोरस से युक्त नैनो डीएपी उपलब्ध है। इनके निर्धारित मात्रा में उपयोग से फसलों को संतुलित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। सामान्य तौर पर एक स्वस्थ पौधे में नाइट्रोजन की मात्रा 1.5 से 4 प्रतिशत तक होती है। फसलों की बढ़वार की स्थिति में इनमें नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पत्तियों में छिड़काव करने से पौधों को कारगर तरीके से नाइट्रोजन और फास्फोरस की उपलब्धता हो जाती है। इनके उपयोग से पैदावार में वृद्धि होती है तथा मिट्टी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर की बोतल 225 रुपए में तथा नैनो डीएपी की 500 मिलीलीटर की बोतल 600 रुपए में मिल रही है। इसकी कीमत एक बोरी खाद से लगभग आधी है। जबकि इसका असर एक बोरी खाद से भी अधिक है। इसलिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए अधिक लाभकारी है।

## प्रति शुक्रवार प्रातः 11 से 12 बजे तक कलेक्टर सुनेंगी समस्यायें

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मैहर जिले के कलेक्टर कार्यालय से लेकर ग्राम पंचायत कार्यालय स्तर तक जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। कमिश्नर रीवा संभाग द्वारा ली गई समीक्षा बैठक के निर्देशानुसार मैहर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने कलेक्टर कार्यालय सहित एसडीएम और तहसील कार्यालयों में भी प्रत्येक शुक्रवार फोन पर आमजन की समस्यायें सुनने की व्यवस्था बनाई है। इसके अनुसार कलेक्टर कार्यालय और एसडीएम कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय द्वारा प्रमुख अधिकारियों के फोन नम्बर (हेल्पलाइन) जारी किये गये हैं। जिन पर संबंधित क्षेत्र के आम नागरिक प्रति शुक्रवार प्रातः 11 से 12 बजे तक उच्च अधिकारियों को अपनी समस्यायें बताकर निराकरण करा सकेंगे। कलेक्टर कार्यालय मैहर द्वारा जारी हेल्पलाइन नम्बर के अनुसार जिला कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड 07674-299232 पर आमजन की समस्यायें सुनेंगी। इसी प्रकार एसडीएम मैहर विकास सिंह 07674-232050, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव 7974014384, एसडीएम रामनगर डॉ. आरती सिंह 9987777643, तहसीलदार अमरपाटन आरडी साकेत 8349870483 और तहसील रामनगर अनुराग सिंह 9329300654 पर शुक्रवार को 1 घंटे आमजन की समस्यायें सुनेंगे।

## जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न




**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मैहर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीआईओ श्रीमती सुचित्रा अग्रवाल द्वारा अनीमिया की बीमारी के इलाज के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## जिले में अब तक 144.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले में इस वर्ष 1 जून से 10 जुलाई 2024 तक 144.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 309.8 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 105.8 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 112.3 मि.मी, बिरसिंहपुर में 133 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 71 मि.मी., नागौद में 161.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 45.3 मि.मी. एवं उचेहरा में 220 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 153.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

## नेत्र संक्रमण से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** वर्तमान में आम नागरिकों में नेत्र संक्रमण तेजी से फैल रहा है। नेत्र संक्रमण की रोकथाम करना अति आवश्यक है। नेत्र संक्रमण की रोकथाम के लिए आम नागरिकों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सुझाव दिये हैं। नेत्र संक्रमण की रोकथाम के लिए पूरी सावधानी रखना आवश्यक है। नेत्र संक्रमण से बचने के लिये अपनी आंखों को छूने से पहले हाथ आवश्यक रूप से धोये। संक्रमित व्यक्ति अपना टॉवल, तकिया, आई ड्रॉप आदि उपयोग की गई वस्तुएं घर के अन्य सदस्यों से अलग रखें। स्विमिंग पूल तालाबों के प्रयोग से बचे। कांटेक्स लेंस पहना बंद करें और अपने नेत्र चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही फिर इसे शुरू करें। आँखों के सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग न करें। साफहाथों से अपनी आंखों के आस-पास किसी भी तरह के स्त्राव को दिन में कई बार साफगीले कपड़े से धोयें, उपयोग किये गये कपड़े को गर्म पानी से धोलें। यदि आँखों में लालिमा हो तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से परामर्श लें। डाक्टर के सलाह के बिना कोई भी ड्रॉप का उपयोग न करें। इस तरह आम नागरिक सभी सावधानियाँ बरतने से नेत्र संक्रमण बचा जा सकता है।

## किसान पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को वितरित किये बीज

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप द्वारा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय विकासखण्ड मझगवां का भ्रमण किया गया तथां विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने इस दौरान क्षेत्रीय अमले को निर्देशित करते हुए कहा कि किसान पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों को नियमानुसार बीज का वितरण सुनिश्चित किया जाये तथा योजनाओं में दिये गये लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति की जावे। उप संचालक कृषि द्वारा किसान पोर्टल पर विभिन्न योजनाओं के पंजीकृत कृषक ग्राम हिरौंदी के उमेश कुमार गर्ग, ग्राम पंचायत मझगवां के राजेन्द्र गर्ग, बरहा के सुरेश गर्ग, अटवरही के लक्ष्मण सिंह, ग्राम बरूआ के मनेद्र सिंह एवं अशोक सिंह को बीज वितरित किया गया।

## केन्द्रीय जेल के परिसर में किया गया वृक्षा रोपण

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** केन्द्रीय जेल सतना में सचिव जिला न्यायाधीश सतना पावस श्रीवास्तव एवं विधिक सेवा प्राधिकरण सतना के मुख्य आतिथ्य मुहम्मद जीलानी तथा विधिक सहायता अधिकारी की उपस्थिति में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कल्याण अधिकारी अनिरूद्ध कुमार तिवारी ने बताया कि शिविर में बंदियों को विधिक संबंधी जानकारी दी गई। बंदियों से आहवान किया गया कि पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रत्येक बंदी कम से कम 1 पेड़ अवश्य लगायें। वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्वयं तथा परिजनों को भी सम्मिलित करें। आने वाले समय में सारी बुराईयों से दूर रहकर एक नेक इंसान बनने का पूर्णरूपेण प्रयास करें। केन्द्रीय जेल के बगीचा परिसर में फलदार वृक्ष आम, अमरूद, जामुन, ईमली का रोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण हेतु शासन द्वारा वृक्षारोपण पर अत्याधिक जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी, जेल अधीक्षक लीना कोष्टा, जेल उप अधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी उपस्थित रहे।

## दिया गया नए कानून का प्रशिक्षण

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मैहर कलेक्टर रानी बाटड की उपस्थिति में अभियोजन अधिकारी गणेश पाण्डेय द्वारा जिले के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं विभागीय अधिकारियों को 1 जुलाई से लागू नए कानून का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम मैहर विकास सिंह, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।